MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 07 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-155

ज़मीन पर 'कॉकरोच'

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की माँग

नयी दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर शनिवार को हजारों छात्र, उनके अभिभावक तथा युवा नौकरीपेशा लोग कॉकरोच मास्क पहनकर प्रदर्शन करने पहुंचे। हाथों में संविधान की प्रतियां, गुलाब के फूल, पुस्तकें और तिरंगा लिए प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई।

यह प्रदर्शन 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) द्वारा आयोजित किया गया था, जो अब तक सोशल मीडिया तक सीमित एक ऑनलाइन अभियान के रूप में सक्रिय थी। पहली बार इस संगठन ने बड़े स्तर पर सड़क पर उतरकर अपनी मांगों को सार्वजनिक रूप से रखा। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि सात दिनों के भीतर उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को देशव्यापी स्वरूप दिया जाएगा। कॉकरोच जनता पार्टी कोई पंजीकृत राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि युवाओं द्वारा शुरू किया गया एक ऑनलाइन जनआंदोलन है। शुरुआत में यह व्यंग्यात्मक और प्रतीकात्मक अभियान

के रूप में सामने आया था, लेकिन समय के साथ यह परीक्षा अनियमितताओं, बेरोजगारी और सरकारी जवाबदेही जैसे मुद्दों पर केंद्रित हो गया।

फूल, संविधान और शांतिपूर्ण विरोध बना आंदोलन की पहचान

जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन में विभिन्न राज्यों से आए छात्र, अभिभावक और युवा शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने कॉकरोच मास्क पहनकर विरोध दर्ज कराया तथा हाथों में संविधान, पुस्तकें और गुलाब लेकर पहुंचे।आंदोलन के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने और पुलिसकर्मियों को गुलाब भेंट करने की अपील की थी। प्रदर्शन के दौरान अनेक प्रतिभागियों ने पुलिस अधिकारियों और जवानों को फूल भेंट कर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखी। अपने संबोधन में दीपके ने आरोप लगाया कि आंदोलन की आवाज दबाने के लिए उनके सोशल मीडिया अकाउंट हैक कराने और पोस्ट हटवाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, आप हमारी पोस्ट डिलीट कर सकते हैं, लेकिन हमें इस जगह से मिटा नहीं सकते। उन्होंने यह भी कहा कि इस देश का छात्र और युवा बिकाऊ नहीं है।

सोनम वांगचुक का समर्थन बना चर्चा का विषय

प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने इस आंदोलन का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने पहले ही घोषणा की थी कि यदि अभिजीत दीपके को गिरफ्तार किया जाता है तो वे छह सप्ताह का उपवास करेंगे। दीपके ने अपने संबोधन में वांगचुक के समर्थन के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया।

दिल्ली पुलिस सतर्क, छह लोग हिरासत में

प्रदर्शन के दौरान किसी संभावित तनाव या टकराव की आशंका को देखते हुए दिल्ली पुलिस ▶8पर

कठपुतली नहीं भारतीय युवा : नवीन

नयी दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को आरोप लगाया कि कुछ ताकतें देश के युवाओं को नकारात्मक राजनीति की ओर धकेलने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत का युवा राष्ट्र निर्माण, नवाचार और अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में विश्वास रखता है तथा किसी के हाथ की कठपुतली नहीं बनेगा। झारखंड की राजधानी रांची में बुद्धिजीवियों के साथ संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि कुछ लोग विदेश में बैठकर यह सोचते हैं कि वे भारत के युवाओं को दिशा दे सकते हैं। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके इस बयान को हाल में चर्चा में आए कॉकरोच जनता पार्टी आंदोलन और ▶8पर

15 तक का अल्टीमेटम

पूरा धान खरीदें केन्द्र वरना...: रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वह 15 जून तक तेलंगाना सरकार द्वारा किसानों से खरीदे जाने वाले पूरे 75 लाख टन धान की खरीद करने में विफल रही, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।

रंगारेड्डी जिले के कोहेड़ा में प्रस्तावित 'अंतरराष्ट्रीय एकीकृत फल बाजार' आधारशिला रखने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार हाल के रबी सीजन के दौरान उत्पादित 75 लाख टन धान की खरीद प्रक्रिया को पूरा करेगी। इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि केंद्र इस पूरे स्टॉक को खरीदे।

केंद्र सरकार के उस कथित रुख पर सवाल उठाते हुए, जिसमें तेलंगाना के धान के स्टॉक का केवल 30 से 40 प्रतिशत ही खरीदने की बात कही गई है, रेवंत रेड्डी ने पूछा कि केंद्र तेलंगाना के किसानों द्वारा उत्पादित धान, मक्का और ज्वार खरीदने से कैसे इनकार कर सकता है? उन्होंने कहा, मैं भी देखता हूँ कि केंद्र सरकार 15 जून के बाद तेलंगाना से धान, गेहूं और मक्का का स्टॉक कैसे नहीं खरीदती है।

केंद्रीय मंत्रियों पर बरसे मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री ने खाद्यान्न की केंद्रीय खरीद की उनकी मांग की आलोचना करने पर केंद्रीय मंत्रियों जी. किशन रेड्डी और बंदी संजय कुमार पर तीखा हमला बोला। भाजपा नेताओं को चेतावनी देते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि यदि केंद्र किसानों की उपज खरीदने में विफल रहा, तो उनके लिए तेलंगाना की सीमाएं पार करना भी मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यद्यपि राज्य सरकार फंड और मंजूरियां हासिल करने के लिए केंद्र के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए हुए है, लेकिन तेलंगाना के अधिकारों के

लिए लड़ने में वह बिल्कुल भी पीछे नहीं हटेगी।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह हैदराबाद मेट्रो रेल विस्तार को मंजूरी देने, पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने और वारंगल व आदिलाबाद में प्रस्तावित हवाई अड्डों के लिए सहायता प्रदान करने के लिए केंद्र पर दबाव डालेंगे। उन्होंने कहा, 15 जून के बाद, जब राज्य सरकार द्वारा पूरा 75 लाख टन धान खरीद लिया जाएगा, तब मैं केंद्र से निपटूंगा।

240 एकड़ में बनेगा अंतरराष्ट्रीय फल बाजार

मुख्यमंत्री ने कहा कि रंगारेड्डी जिले के किसानों ने ऐतिहासिक रूप से हैदराबाद को फल, सब्जियां और दूध की आपूर्ति की है, लेकिन तेजी से हुए रियल एस्टेट विस्तार के कारण कृषि को नुकसान पहुंचा है। हैदराबाद की आबादी 1.3 करोड़ को पार करने और शहर के एक अंतरराष्ट्रीय महानगर के रूप में उभरने के साथ, मौजूदा बुनियादी ढांचा फल, सब्जियों और डेयरी उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने में असमर्थ है।

▶8पर

क्रूड आयल 160 डॉलर!

अमेरिका तेल अलर्ट

नयी दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)।

कच्चे तेल को लेकर एक नई चेतावनी आ गई है, जो आपको हैरान कर देगी। कुछ बड़ी कंपनियों का कहना है कि कच्चे तेल के दाम आने वाले दिनों में 160 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकते हैं। इसकी वजह अमेरिका में तेजी से घट रहा तेल रिज़र्व बताया जा रहा है। दरअसल, अमेरिका में क्रूड ऑयल और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का रिज़र्व गिरकर 22 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है। इस वजह से दुनिया की कुछ बड़ी ऑयल कंपनियों ने क्रूड की कीमतों में तेजी का अनुमान लगाया है। वहीं, पहले से ही ब्रेंट क्रूड ऑयल का भाव हाई लेवल पर बना हुआ है। इसके चलते भारत में ऑयल मार्केटिंग कंपनियां पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतें बढ़ाने को मजबूर हुई हैं।

तेजी से घट रहा तेल का ग्लोबल रिज़र्व

एक्सॉन मोबिल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट नील चैपमैन ने कहा है कि ग्लोबल इनवेंटरी काफी निचले लेवल की ओर जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर आने वाले दिनों में सप्लाई नहीं बढ़ती है, तो ब्रेंट क्रूड का भाव 150 से 160 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकता है। उनका कहना है कि सप्लाई में कमी के बीच मार्केट अनिश्चित काल के लिए इनवेंटरी पर निर्भर नहीं रह सकता। कई दूसरे एग्जिक्यूटिव्स का भी मानना है कि इमरजेंसी रिज़र्व और कमर्शियल स्टॉक ने अचानक लगे झटकों से बचाया है, लेकिन अब रिज़र्व तेजी से घटने लगा है।

रिफाइंड प्रोडक्ट्स की सप्लाई में भी बनी आफत!

मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, शेवरॉन के चेयरमैन और सीईओ माइक विर्थ का भी मानना है कि तनाव जारी रहने से तेल की कीमतें काफी ऊपर जा सकती हैं। एनालिस्ट्स का कहना है कि रिस्क सिर्फ कच्चे तेल की सप्लाई को लेकर नहीं है, पेट्रोल-डीजल और एटीएफ जैसे रिफाइंड प्रोडक्ट्स के मामले में भी दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। कच्चे तेल के प्रोडक्शन को कुछ स्थितियों में जल्द बढ़ाया जा सकता है, लेकिन रिफाइंड फ्यूल की इनवेंटरी रिफाइनरी कैपेसिटी पर निर्भर करती है। ▶8पर

त्रिपुरा बॉर्डर पर शाह एक्शन

5 साल के लैंड रिकॉर्ड की जाँच

नयी दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा के सालबगान में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर की सुरक्षा को लेकर एक बड़ी बैठक की। इस बैठक में उन्होंने बॉर्डर के पास रहने वाले इलाकों में जमीन की खरीद-बिक्री, बड़े निर्माण कार्यों और पैसों के लेनदेन पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। साथ ही पिछले 5 साल के जमीन के रिकॉर्ड की गहरी जांच कराने को भी कहा गया।अमित शाह त्रिपुरा के सालबगान पहुंचे। यह वो जगह है जो भारत और बांग्लादेश की सीमा के बहुत करीब है। यहां उन्होंने एक बड़ी समीक्षा बैठक की जिसमें यह देखा गया कि इस सीमा पर सुरक्षा की क्या हालत है और इसे और कैसे मजबूत किया जा सकता है।

फुल-प्रूफ बॉर्डर सिक्योरिटी ग्रिड का गठन

बैठक में सबसे पहली और सबसे ज़रूरी बात यह कही गई कि बॉर्डर की सुरक्षा सिर्फ बीएसएफ यानी बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स का काम नहीं है। गृह मंत्री शाह ने साफ कहा कि पूरे प्रशासन को मिलकर यह जिम्मेदारी उठानी होगी। इसका मतलब यह है कि जिले का सबसे बड़ा अफसर यानी डीएम, पुलिस का एसपी गांव-गांव का पटवारी और यहां तक कि सरपंच भी, सब मिलकर एक मजबूत सुरक्षा का जाल बनाएंगे। इसे फुल-प्रूफ बॉर्डर सिक्योरिटी ग्रिड कहा गया।

इसके साथ एक नया मॉडल भी लागू किया जाएगा जिसे टोटल टेरिटोरियल डिफेंस कहते हैं। इसका मतलब है कि सिर्फ कांटेदार तार यानी फेंसिंग लगाने से काम नहीं चलेगा। पूरे इलाके को, हर कोने को, हर गांव को सुरक्षित करना होगा। बॉर्डर के पास रहने वाले लोगों को भी इसमें शामिल किया जाएगा और उन्हें खास ट्रेनिंग कैंपों में हथियारों की तस्करी और नशे की तस्करी से निपटने के तरीके सिखाए जाएंगे।

तकनीकी मोर्चे पर बड़ा कदम

तकनीक के मोर्चे पर भी बड़ा कदम उठाया जा रहा है। गृह मंत्रालय का एक सीसीटीवी मॉडल है जो अभी तक कहीं लागू नहीं हुआ था। उसे सबसे पहले त्रिपुरा में लागू किया जाएगा। बीएसएफ के जितने भी पुराने कैमरे हैं उन्हें अपग्रेड किया जाएगा और उन्हें जिला प्रशासन से जोड़ा जाएगा। यानी अब अगर बॉर्डर पर कुछ भी गड़बड़ होगी तो जिला प्रशासन को भी तुरंत पता चलेगा।

हथियारों और नशे की तस्करी को लेकर सरकार का रुख बिल्कुल कड़ा है। बैठक में बिना किसी नरमी के कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। मतलब इस मामले में कोई भी ढील नहीं दी जाएगी। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 26^0

31.5 इंच झुक गई धरती

भारत-अमेरिका के कृषि क्षेत्र जिम्मेदार!

नयी दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)।

हम सब जानते हैं कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है, जिससे दिन और रात होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस धरती को हम बिल्कुल स्थिर और मजबूत मानते हैं, वह इंसानी गतिविधियों के कारण अंतरिक्ष में अपनी जगह से डगमगा गई है?

इंसानों द्वारा खेतों की सिंचाई, फैक्टरियों और पीने के लिए जमीन के अंदर से बेहिसाब पानी निकालने की वजह से हमारी पृथ्वी का रोटेशनल एक्सिस यानी धुरी लगभग 31.5 इंच (करीब 80 सेंटीमीटर) खिसक गया है। यह बदलाव साल 1993 से 2010 के बीच हुआ है। सुनने में यह मामूली लग सकता है, लेकिन ब्रह्मांड के पैमाने पर एक पूरी सौर

प्रणाली के ग्रह का इस तरह डगमगाना वैज्ञानिकों के लिए बेहद चिंता और हैरानी का विषय बन गया है। यह सनसनीखेज खुलासा सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी के जियोफिजिसिस्ट की-वियोन सेओ और उनकी टीम ने किया है। यह जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स में छपा है। इसके बाद साल 2026 में आए कई अन्य शोधों जैसे जर्नल ऑफ जियोडेसी और नेचर की रिपोर्टों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि पानी का यह बड़े पैमाने पर विस्थापन न केवल धरती की चाल बदल रहा है, बल्कि समुद्र के जलस्तर को बढ़ाकर तटीय इलाकों को डुबाने का काम भी कर रहा है। पृथ्वी के घूमने और उसके झुकने के पीछे पूरी तरह से भौतिक विज्ञान का एक सीधा नियम काम करता है। नासा के वैज्ञानिकों ने इसे समझाने के लिए एक घूमते हुए लट्टू का उदाहरण दिया है। यदि आप एक साधारण खिलौना लट्टू को तेजी से नचाएं, तो वह अपनी धुरी पर बिल्कुल सीधा घूमता है। ▶8पर

मिसाइल, ड्रोन हमलों से बढ़ी चिंता

समाधान अभी दूर

नयी दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव शनिवार को और गंभीर हो गया। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने कुवैत और बहरीन में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए मिसाइल एवं ड्रोन हमले किए, जबकि अमेरिका ने जवाबी कार्रवाई में ईरान के कुछ रडार और निगरानी केंद्रों को नष्ट करने का दावा किया। इस घटनाक्रम के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। रिपोर्टों के अनुसार, संघर्ष की शुरुआत 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद हुई थी। इसके बाद ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में स्थित अमेरिकी हितों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना शुरू किया। साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले समुद्री यातायात पर भी दबाव बढ़ा, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित होने लगी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य की दिशा में चार ड्रोन भेजे गए थे, जिन्हें अमेरिकी सेना ने मार गिराया।

▶8पर

मोरों के आतंक से परेशान है इटली के लोग, संख्या में हुई अभूतपूर्व वृद्धि

रोम

इटली के एड्रियाटिक तट पर बसे एक शांत शहर पुंटा मरीना मोरों की बेकाबू आबादी की समस्या से जूझ रहा है। इस तटीय शहर में 2023 के बाद से मोरों की संख्या में 4 से 5 गुना की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। लगभग 100 से 150 तक मोर अब खुलेआम सड़कों, बगीचों और घरों के आसपास घूमते हुए देखे जा सकते हैं, जिससे स्थानीय लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। यह कहानी कुछ साल पहले एक अकेले मोर के कैद से भागकर पुंटा मरीना के पास देवदार के घने जंगलों में शरण लेने से शुरू हुई थी। बाद में, एक मादा साथी के आने से इस पक्षी युगल का कुनबा धीरे-धीरे बढ़ने लगा। समय के साथ, इनकी आबादी ने आसपास के जंगलों की सीमाएं लांघकर पूरे शहर में अपना विस्तार कर लिया। मोरों की आबादी में सबसे बड़ा उछाल कोविड-19 लाकडाउन के दौरान आया। शहरी इलाकों में भोजन की आसान उपलब्धता और लोगों द्वारा इन्हें खाना खिलाने की आदत ने इनकी संख्या को तेजी से बढ़ाया। किसी प्राकृतिक शिकारी के न होने के कारण, इन पक्षियों की संख्या बेरोकटोक बढ़ती चली गई। जहाँ 2023 में इनकी संख्या करीब 30 मानी जा रही थी, वहीं अब यह कई गुना बढ़कर 100 से 150 के बीच पहुँच चुकी है। आज, 3000 की आबादी वाला यह छोटा सा शहर मोरों की इस भारी और बढ़ती गिनती के कारण कई तरह की व्यावहारिक दिक्कतों से जूझ रहा है। ये रंग-बिरंगे पक्षी अब शहर की सड़कों, सार्वजनिक बगीचों और निजी छतों पर खुलेआम मंडराते रहते हैं। इनकी वजह से न केवल फुटपाथों पर गंदगी और फिसलन बढ़ गई है, बल्कि सड़कों पर अचानक इनके झुंड के आ जाने से ट्रैफिक जाम भी लगने लगा है, जिससे दैनिक आवागमन प्रभावित हो रहा है।

इतना ही नहीं, मोरों का यह झुंड अब कारों और अन्य वाहनों को भी नुकसान पहुँचाने लगा है। अपनी ही परछाई को देखकर भड़कने वाले ये पक्षी कारों की खिड़कियों और बाडी पर चोंच मारकर उन्हें बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर रहे हैं। वसंत ऋतु के आगमन के साथ ही इनका मेटिंग सीजन शुरू हो जाता है, जिससे इनका व्यवहार और अधिक आक्रामक हो जाता है। इनकी तेज और कर्कश आवाजों से स्थानीय निवासियों की सुबह की नींद हराम होने लगी है, और शांतिपूर्ण माहौल अशांत हो गया है। इस बढ़ती समस्या से निपटने के लिए स्थानीय प्रशासन और निवासियों के बीच भी मतभेद उभर रहे हैं। पुंटा मरीना के कुछ निवासी इस स्थिति को बेकाबू बताते हुए इन पक्षियों को यहाँ से हटाने या उनकी संख्या को नियंत्रित करने की तत्काल मांग कर रहे हैं। उनका मानना है कि यह अब केवल एक जीव-जंतु का मुद्दा नहीं, बल्कि एक गंभीर नागरिक समस्या बन चुका है। वहीं, कुछ लोग इन्हें शहर के लिए एक अनोखा आकर्षण मानते हैं, जो पर्यटन को बढ़ावा दे सकता है। हालांकि, पशु कल्याण समूहों ने मोरों के खिलाफ किसी भी आक्रामक कार्रवाई का कड़ा विरोध किया है, जिससे प्रशासन के लिए स्थिति और जटिल हो गई है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी दूत से पाकिस्तान की तारिफ सुन गदगद हुए पीएम शहबाज

इस्लामाबाद। अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत नताली ए. बेकर ने पाकिस्तान की जमकर तारीफ कर कहा है कि

एक मजबूत और स्थिर पाकिस्तान अमेरिका के हित में है। उन्होंने इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई उच्च स्तरीय कूटनीतिक वार्ता की मेजबानी को पाकिस्तान की बड़ी उपलब्धि बताकर देश के आधुनिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। अमेरिकी स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में बेकर ने कहा कि अप्रैल में इस्लामाबाद ने अमेरिका और ईरान के बीच 1979 की ईरानी क्रांति के बाद की सबसे महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बातचीत की मेजबानी की। उनके अनुसार, दोनों देशों के बीच यह संवाद तब संभव हुआ जब क्षेत्र में कई तरह की चुनौतियां मौजूद थीं और पाकिस्तान ने मध्यस्थता के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराया। बेकर ने बताया कि यह वार्ता करीब 21 घंटे तक चली और इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान ने 10 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की थी। इसके अलावा कई प्रमुख मार्गों को अस्थायी रूप से बंद किया गया ताकि बातचीत बिना किसी व्यवधान के संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के अमेरिका और ईरान दोनों के साथ संतुलित संबंध हैं तथा वह इस विवाद का प्रत्यक्ष पक्ष नहीं है, जिसके कारण इस्लामाबाद बातचीत के लिए उपयुक्त स्थल साबित हुआ। अमेरिकी राजनयिक ने कहा कि इस महत्वपूर्ण आयोजन को लेकर कई पाकिस्तानी नागरिकों को भी शुरुआत में विश्वास नहीं हो रहा था। उन्होंने पाकिस्तानी अधिकारियों और सहयोगी संस्थाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने बेहद पेशेवर और शांत तरीके से अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। बेकर ने कहा कि यह पाकिस्तान के लिए गर्व का क्षण था और उसने अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाई।

अंग्रेजी व्याकरण की बाइबल का दर्जा प्राप्त है इस पुस्तक को, बनीं हुई है पहली पसंद

लंदन। आज के बदलते परिदृश्य में अंग्रेजी पर मजबूत पकड़ बनाना हर किसी के लिए आवश्यक है,

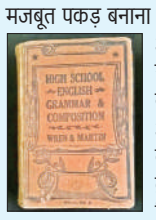

और इसके लिए व्याकरण का सटीक ज्ञान बेहद महत्वपूर्ण है। दशकों से जिस पुस्तक को अंग्रेजी व्याकरण की बाइबल का दर्जा प्राप्त है, वह है पी.सी. व्रेन और एच. मार्टिन द्वारा लिखित हाई स्कूल इंग्लिश ग्रामर एंड कंपोजीशन। यह पुस्तक अपनी असाधारण सरलता और व्यापक कवरेज के कारण आज भी छात्रों और शिक्षकों की पहली पसंद बनी हुई है। इसने अंग्रेजी व्याकरण के उन जटिल नियमों को भी इतनी सहज और स्पष्ट भाषा में प्रस्तुत किया है कि एक शुरुआती छात्र भी आसानी से इन्हें समझ सकता है। कई पीढ़ियों से, भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में, इस पुस्तक ने लाखों विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा की बारीकियों से परिचित कराया है। इसकी बेमिसाल गुणवत्ता और आसान प्रस्तुति ने इसे किसी भी छात्र के पुस्तकालय का एक अपरिहार्य हिस्सा बना दिया है जो अंग्रेजी भाषा में प्रवीणता हासिल करना चाहता है। यह सिर्फ एक किताब नहीं, बल्कि अंग्रेजी सीखने वालों के लिए एक भरोसेमंद गुरु की तरह काम करती है। प्रसिद्ध लेखक पी.सी. व्रेन और एच. मार्टिन ने इस पुस्तक को इस तरह से संरचित किया है कि सीखने की प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ती है। इसमें विषयों को एक तार्किक और क्रमबद्ध तरीके से प्रस्तुत किया गया है। पाठक पहले मूलभूत अवधारणाओं को आत्मसात करते हैं और फिर धीरे-धीरे अधिक उन्नत और चुनौतीपूर्ण विषयों की ओर बढ़ते हैं। यह सरल से कठिन की शिक्षण पद्धति इसे अद्वितीय बनाती है और सुनिश्चित करती है कि सीखने वाला प्रत्येक कदम पर आत्मविश्वास महसूस करे।

दावा: गूगल डीपमाइंड के सीईओ हासाबिस बोले- नए दौर की तैयारी के लिए अब वक्त कम बचा

न्यूयार्क। गूगल डीपमाइंड के सीईओ डेमिस हासाबिस ने हाल ही में एक ऐसी बात कही जो सुनने में उतनी ही रोमांचक है, जितनी डरावनी। उन्होंने कहा कि इंसान जैसी सोच रखने वाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एजीआई अब महज कुछ साल दूर है। स्टैनफर्ड ग्रेजुएट स्कूल आफ बिजनेस के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, शायद 2030, एक-दो साल कम या ज्यादा लग सकते हैं। यह सुनकर खुद उन्हें भी हैरानी होती है। हासाबिस ने एजीआई की तुलना सिंगुलैरिटी से की, यानी वो पल जहां से पलटकर देखना मुमकिन नहीं होगा। उनके मुताबिक यह एक नए मानव युग की शुरुआत होगी। और इसीलिए वे बार-बार यह कहते हैं कि नए दौर का सामना करने की तैयारी अभी से होनी चाहिए क्योंकि वक्त कम बचा है। हासाबिस इकलौते नहीं हैं जो इस तरह की बातें कर रहे हैं। ओपनएआई के सीईओ सैम आल्टमैन का कहना है कि एआई की वजह से लाखों नौकरियां जा सकती हैं।

रुस एसयू-57 तकनीक और सोर्स कोड भारत को देने के लिए तैयार

पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान पर फिर बढ़ी चर्चा

मास्को

भारतीय वायुसेना की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को लेकर फिर चर्चा तेज है। इस बीच रूस ने भारत के सामने अपने अत्याधुनिक सुखोई एसयू-57 लड़ाकू विमान कार्यक्रम में सहयोग का प्रस्ताव दिया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहा कि मास्को भारत के साथ पांचवीं पीढ़ी की लड़ाकू विमान तकनीक पर संयुक्त रूप से काम करने के लिए पूरी तरह तैयार है। पुतिन ने एसयू-57 को दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में से एक बताकर कहा कि रूस भारत के साथ इस परियोजना में सहयोग का स्वागत करेगा। उन्होंने कहा कि भले ही विमान का विकास रूस ने स्वतंत्र रूप से किया हो, लेकिन भारत के साथ तकनीकी साझेदारी करने में कोई बाधा नहीं है। उन्होंने संकेत दिया कि वायु रक्षा प्रणालियों के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

गौरतलब है कि भारत और रूस पहले पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान (एफजीएफए) परियोजना पर साथ काम कर रहे थे। हालांकि वर्ष 2018 में भारत इस परियोजना से अलग हो गया था। उस समय भारतीय वायु सेना ने विमान की स्टील्थ क्षमता, एवियोनिक्स और कुछ अन्य तकनीकी विशेषताओं को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त की थीं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना था कि उस समय विमान भारतीय आवश्यकताओं पर पूरी तरह खरा नहीं उतर रहा था। हाल के वर्षों में बदलते सुरक्षा परिदृश्य और आधुनिक लड़ाकू विमानों की बढ़ती आवश्यकता के बीच एसयू-57 को लेकर फिर से चर्चा शुरू हुई है। विभिन्न रिपोर्टों में दावा किया गया है कि भारत इस विमान की संभावित खरीद या साझेदारी के विकल्पों पर विचार कर सकता है। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रूस ने यह भी संकेत दिया है कि वह भारत को केवल विमान ही नहीं, बल्कि तकनीक हस्तांतरण और सोर्स कोड तक साझा करने के लिए तैयार है। रूसी अधिकारियों के अनुसार, भारत की अधिकांश तकनीकी और उत्पादन संबंधी मांगों को स्वीकार किया जा सकता है। यदि समझौता होता है, तब विमान के निर्माण में हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

रूसी रक्षा उद्योग से जुड़े अधिकारियों ने कहा है कि भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग दशकों पुराना है और दोनों देश भविष्य में भी इस साझेदारी को और मजबूत करने के इच्छुक हैं।

विमान अचानक झुका, कई कर्मचारी घायल

फ्रैंकफर्ट। जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट पर गेट के पास खड़ा एक यात्री विमान अचानक आगे की तरफ झुक गया। विमान का अगला पहिया टूटने से उसका सामने वाला हिस्सा सीधे जमीन पर जा गिरा। हादसे में कई कर्मचारी घायल हो गए। यह घटना तब हुई, जब जर्मन एयरलाइंस लुफ्थांसा के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान उड़ान की तैयारी में था। उस समय यात्री विमान में सवार नहीं हुए थे, लेकिन क्रू मेंबर और ग्राउंड स्टाफ अंदर मौजूद थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में विमान का अगला हिस्सा तेजी से नीचे गिरता दिखा। घटना के तुरंत बाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी टीमें पहुंचीं। लुफ्थांसा ने बताया कि घायलों का इलाज चल रहा है। यह विमान फ्रैंकफर्ट से लास एंजिलिस जाने वाला था। जिस विमान के साथ हादसा हुआ, वह नया बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर था और जनवरी 2026 से ही नियमित सेवा में शामिल हुआ था। फिलहाल हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

मोदी को दोस्त बता टैरिफ लगाने की बात कर रहे ट्रंप

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के साथ व्यापार को लेकर कहा कि लंबे समय तक भारत ने अमेरिका पर ऊंचे टैरिफ लगाए और उसका फायदा उठाया। ट्रम्प ने दावा किया कि अब स्थिति बदल गई है और अमेरिका भारत से अच्छी कमाई कर रहा है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच जल्द ही एक बड़ा व्यापार समझौता हो सकता है। मोदी मेरे दोस्त हैं और हम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिका की एक टीम हाल ही में नई दिल्ली में भारत सरकार के अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत कर चुकी है। दोनों देश एक अस्थायी व्यापार समझौते पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि व्यापार से जुड़े कुछ मुद्दों का जल्द समाधान किया जा सके। भारत के वाणिज्य मंत्रालय का कहना है कि बातचीत सकारात्मक रही है और दोनों देश ऐसा समझौता करना चाहते हैं जिससे भारत और अमेरिका, दोनों को फायदा हो यानी दोनों पक्ष अभी भी व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। समझौतों को लेकर बातचीत के बीच एक नई मुश्किल खड़ी हो गई है। अमेरिका ने कुछ देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है।

बोले- भारत ने दशकों तक खूब फायदा उठाया, अब अमेरिका कर रहा टैरिफ से कमाई

अमेरिका का कहना है कि ये देश जबरन मजदूरी से जुड़े मामलों को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं। इस प्रस्तावित सूची में भारत का नाम भी शामिल है। अगर यह फैसला लागू होता है, तो अमेरिका जाने वाले भारतीय सामान पर 12.5फीसदी अतिरिक्त शुल्क लग सकता है। इससे भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में महंगे हो सकते हैं और निर्यातकों पर असर पड़ सकता है। भारत सरकार का कहना है कि अभी इस अतिरिक्त शुल्क को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। अमेरिका पहले इस प्रस्ताव पर लोगों और संबंधित पक्षों की राय लेगा, उसके बाद ही अंतिम फैसला करेगा। भारत-अमेरिका में फरवरी 2026 में एक अंतरिम व्यापार समझौता पर सहमति बनी थी। इसका मकसद लंबे समय से अटके व्यापारिक मुद्दों को सुलझाना था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प के कुछ टैरिफ को अवैध बता दिया। इसके बाद साफ नहीं हो रहा था कि कौन से टैरिफ लागू रहेंगे, कौन से नहीं।

भारत को लेकर रूस और अमेरिका फिर आमने-सामने

वाशिंगटन/मास्को। भारत को लेकर रूस और अमेरिका के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। एक तरफ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की खुलकर तारीफ की है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर ज्यादा टैरिफ लगाने और अमेरिका का फायदा उठाने का आरोप लगाया है। दोनों महाशक्तियों के बयानों ने साफ कर दिया है कि दुनिया की बड़ी ताकतें भारत को अपने-अपने नजरिए से देख रही हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में अंतरराष्ट्रीय मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि रूस भारत के साथ अपने पुराने और भरोसेमंद रिश्तों को और मजबूत करना चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और तेजी से विकास कर रहा है। पुतिन ने दावा किया कि पश्चिमी देशों और अमेरिका की ओर से भारत पर रूस से दूरी बनाने के लिए डाला गया दबाव बेअसर साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत पर दबाव डालना अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए नुकसानदायक है। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस और भारत के बीच व्यापार आने वाले वर्षों में 100 अरब डालर तक पहुंच सकता है। पुतिन ने की मोदी सरकार की तारीफ पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की खुलकर तारीफ की।

पाकिस्तान में 218 अरब की जमीन का किराया 5 हजार रुपए सालाना

रसूखदारों का ऐसा कब्जा की खाली कराने की सोचना भी गुनाह

लाहौर

पाकिस्तान में 1913 में ही बने लाहौर जिमखाना का रुतबा आज भी उसी तरह कायम है। पंजाब (पाकिस्तान) के सबसे महंगे इलाके में स्थित 218 अरब (पाकिस्तानी रुपये) की बेशकीमती सरकारी जमीन पर फैले इस एलीट क्लब का सालाना किराया महज 5,000 रुपये है। सरकारी दस्तावेजों के हवाले से इस क्लब से जुड़े कई हैरान करने वाले तथ्य सामने आए हैं। लाहौर जिमखाना क्लब कुल 112 एकड़ यानी 1091 कनाल भूमि में फैला हुआ है। यह माल रोड, जेल रोड और जफर अली रोड से घिरा है, जो वहां का सबसे वीआईपी इलाका माना जाता है। इस पूरी जमीन की मौजूदा मार्केट वैल्यू लगभग 218.2 अरब रुपये आंकी गई है। बाजार दर के हिसाब से इसका उचित सालाना किराया 4.36 अरब रुपये होना चाहिए। वर्ष 2023 की सरकारी नीति के मुताबिक भी क्लबों को मार्केट रेट का 10वां हिस्सा किराए के रूप में देना अनिवार्य है। इस नियम के तहत भी क्लब का सालाना किराया कम से कम 40 करोड़ रुपये बनता है, लेकिन लाहौर जिमखाना साल भर का सिर्फ 5,000 रुपये ही भुगतान करता है, जो प्रति कनाल 50 पैसे से भी कम बैठता है। इसके अलावा, जिमखाना ने बाग-

ए-जिन्ना के अंदर कृषि विभाग की साढ़े तीन एकड़ जमीन पर बिना किसी लीज या किराए के एक एक्सक्लूसिव क्रिकेट ग्राउंड पर भी अवैध कब्जा जमा रखा है। इस क्लब की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहाँ आम आदमी की एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसकी मेंबरशिप केवल ग्रेड-18 और उससे ऊपर के सिविल सेवकों, सशस्त्र बलों के उच्च अधिकारियों को ही मिलती है या फिर इसे विरासत में ट्रांसफर किया जा सकता है। इसके साधारण सदस्यों की सूची को किसी गोपनीय दस्तावेज की तरह छुपाकर रखा जाता है। निजी क्लब होने के बावजूद इसे सरकारों से जनता के टैक्स का करोड़ों रुपया बतौर गिफ्ट मिलता रहा है। साल 1985 में तत्कालीन राष्ट्रपति जिया-उल-हक और प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने इसे 20-20 लाख रुपये दिए थे। इसके बाद 2006 में मुख्यमंत्री परवेज इलाही ने 5 करोड़ रुपये और 2014 में मुख्यमंत्री शहबाज शरीफ ने 1 करोड़ रुपये की सरकारी मदद इस क्लब को पहुंचाई। व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल यह रिपोर्ट पाकिस्तान की न्याय प्रणाली और व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है, जहां अमीरों और गरीबों के लिए अलग-अलग कानून नजर आते हैं। इस्लामाबाद और पंजाब में गरीबों की झुग्गियों (कच्ची आबादी) पर प्रशासन तुरंत बुलडोजर चला देता है। इस्लामाबाद के आई-11 इलाके में कार्रवाई करके 25,000 लोगों को बेघर कर दिया गया, लेकिन 218 अरब रुपये की सरकारी जमीन पर काबिज लाहौर जिमखाना पर कोई कार्रवाई नहीं होती।

एआई का बढ़ता उपयोग : मौलिकता और भरोसे पर मंडरा रहा है खतरा

वाशिंगटन

आज के दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हमारे रोजमर्रा के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। ईमेल लिखने से लेकर रिपोर्ट तैयार करने, कंटेंट बनाने और कोडिंग तक, कई कार्यों को एआई कर रहा है। इससे काम तेज और आसान जरूर हुआ है, लेकिन इसके अत्यधिक इस्तेमाल पर विशेषज्ञ चिंता जाहिर कर रहे हैं। उनका मानना है कि एआई पर जरूरत से ज्यादा भरोसा इंसानों की मौलिकता और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को प्रभावित कर सकता है।

प्रसिद्ध निवेशक और कारोबारी पाल ग्राहम ने हाल ही में अपने अनुभव साझा कर बताया कि उन्हें लगातार इसतरह के ईमेल मिल रहे हैं जो पूरी तरह एआई की मदद से लिखे गए लगते हैं। भले ही शब्द प्रभावशाली लगते हैं, पर उनमें व्यक्तिगत सोच और मानवीय भावनाओं का अभाव स्पष्ट होता है। ग्राहम के अनुसार, जब

उन्हें एआई निर्मित ईमेल का पता चलता है, तब उसमें उनकी रुचि कम हो जाती है क्योंकि इसतरह के संदेशों में लेखक की अपनी आवाज सुनाई नहीं देती और वे एक जैसे लगते हैं।

ग्राहम के मुताबिक, संचार केवल जानकारी का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि व्यक्ति की सोच, व्यक्तित्व और दृष्टिकोण का प्रतिबिंब है। जब कोई संदेश पूरी तरह मशीन द्वारा तैयार किया जाता है, तब यह व्यक्तिगत जुड़ाव को कमजोर कर सकता है। एआई से तैयार सामग्री अक्सर वास्तविकता से ज्यादा प्रभावशाली दिखने की कोशिश करती है, जिससे यह संकेत मिल सकता है कि लेखक अपनी लेखन क्षमता पर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। ऐसी स्थिति में विश्वास और पारदर्शिता पर सीधा असर पड़ता है, क्योंकि सामने वाले को लग सकता है कि संदेश केवल प्रभावित करने के लिए बनाया गया है, न कि वास्तविक संवाद स्थापित करने के लिए। यह प्रवृत्ति सिर्फ ईमेल तक सीमित नहीं है। कोड लिखने, मार्केटिंग कंटेंट तैयार करने या पेशेवर दस्तावेज बनाने में एआई का उपयोग बढ़ा है। कई कंपनियां मानवीय और एआई-जनित सामग्री के बीच संतुलन को लेकर विचार कर रही हैं, क्योंकि किसी भी ब्रांड या व्यक्ति की पहचान उसकी विशिष्ट शैली और सोच से बनती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लोग हर छोटे-बड़े काम के लिए एआई पर निर्भर हुए, तब उनकी रचनात्मक और विश्लेषणात्मक क्षमता प्रभावित हो सकती है। सबसे बड़ा जोखिम यह है कि कहीं इंसान धीरे-धीरे स्वयं सोचने, लिखने और नए विचार विकसित करने की अपनी आदत न खो दें। यदि ऐसा हुआ, तब भविष्य में मानवीय अभिव्यक्ति और मशीन-निर्मित कंटेंट के बीच अंतर करना मुश्किल हो सकता है। इसलिए एआई का उपयोग एक सहायक उपकरण के रूप में होना महत्वपूर्ण है, जहां अंतिम विचार, भावनाएं और रचनात्मकता मानवीय ही रहे। यही संतुलन भविष्य में प्रभावी और भरोसेमंद संवाद की कुंजी साबित हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका कोई पड़ोसी आज आपसे धन उधार मांगने आ सकता है, आपको सलाह दी जाती है कि उधार देने से पहले उनकी विश्वसनीयता अवश्य जांच लें नहीं तो धन हानि हो सकती है। तल्ख़ बर्ताव के बावजूद आपको जीवन-साथी का सहयोग मिलेगा। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे- और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। दोपहर के बाद किसी पुराने दोस्त से मुलाक़ात दिन को ख़ूबसूरत बना देगी। आप अपने सुनहरे दिनों को याद करके पुरानी यादों में डूब जाएंगे। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। आपके कठिन परिश्रम को पुरस्कार मिलेगा, क्योंकि आपकी पदोन्नति हो सकती है। आर्थिक लाभ के बारे में न सोचें, क्योंकि आगे चलकर आपको इससे बहुत फ़ायदा होगा। पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप अपना ज्ञान और अनुभव औरों के साथ बांटेंगे, तो निश्चय ही आपको प्रतिष्ठा मिलेगी। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज आप काफ़ी पैसे बना सकते हैं- लेकिन इसे अपने हाथों से फिसलने न दें। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। प्यार एक ऐसा जज़्बा है जिसे न सिर्फ़ महसूस किया जाना चाहिए, बल्कि अपने प्रिय के साथ बांटना भी चाहिए। काम पर लोगों के साथ मेलजोल में समझ और धैर्य से सावधानी बरतें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। संबंधी आपके उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा उठाने की कोशिश करेंगे। चौकन्ने रहें, नहीं तो बाद में आप ठगा हुआ महसूस करेंगे। उदारता एक हद तक ही ठीक है, लेकिन अगर यह अपना दायरा पार कर ले तो परेशानी बन जाती है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। रात को ऑफिस से घर आते वक्त आज आपको सावधानी से वाहन चलाना चाहिए

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे- आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। रुमानी चादें आज आपके ऊपर छायी रहेंगी। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। कारोबारी आज करोबार से ज़्यादा अपने परिवार के लोगों के बीच समय बिताना पसंद करेंगे। इससे आपके परिवार में सामंजस्य बनेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। दोस्तों के साथ कुछ दिलचस्प और रोमांचक समय बिताने के लिए अच्छा समय है। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े लोगों को दें। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। परिवार की जरुरतों को पूरा करते-करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। घर पर मेहमानों का आना दिन को बढ़िया और ख़ुशगवार बना देगा। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। इस राशि के कारोबारी आज किसी करीबी की गलत सलाह के कारण परेशानी में आ सकते हैं। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच-समझकर चलने की जरुरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जल्दबाज़ी में फ़ैसले न लें- ख़ासतौर पर अहम आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक़्त। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आपके प्रिय/जीवनसाथी का फ़ोन आपका दिन बना देगा। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। आपका प्यार न सिर्फ़ परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊँचाइयों को भी छूएगा। दिन की शुरुआत प्रिय की मुस्कान से होगी और रात उसके सपनों में ढलेगी। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। रोमांस को झटका लगेगा और आपके क़ीमती तोहफ़े भी आज जादू चलाने में विफल रहेंगे। अगर आज आपका रुख़ विनम्र और सहयोगी है, तो आपको अपने साझीदारों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। गृह-प्रवेश के लिए शुभ दिन है। जो लोग प्रेम के संगीत में डूबे हुए हैं, वही इसकी स्वर-लहरियों का आनन्द ले सकते हैं। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे, जो दुनिया के बाकी सभी गीतों को भुलवा देगा। आपको अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा मौक़ा मिलेगा। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घूमने का प्लान कर सकते हैं ।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 जून 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 03:27 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा प्रातः 07:56 तक
योग : वैधृति प्रातः 10:00 तक
करण : विष्टि दोपहर 03:11 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 05:41,सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भानु सप्तमी , भद्रा दोपहर 03:11 तक ,अधिक मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अन्याय करने वाले को उसका दंड अवश्य भोगना पड़ता है : महंत अमृतदास खाकी

श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस पर महाभारत प्रसंग का किया भावपूर्ण वर्णन

बेगम बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में चल रहा है सप्तदिवसीय ज्ञानयज्ञ

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित खाकी अखाड़ा मठ, माहेश्वरी भवन में आयोजित सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत पुराण कथा ज्ञानयज्ञ के द्वितीय दिवस पर कथा व्यास महामंडलेश्वर बालयोगी ब्रह्मर्षि श्री श्री 1008 महंत अमृत दास खाकी ने महाभारत के महत्वपूर्ण प्रसंगों का मार्मिक वर्णन करते हुए धर्म, न्याय और कर्मफल का संदेश दिया।

यह आयोजन मुख्य यजमान श्रीनिवास तोतला, संजय तोतला, अरुणा तोतला, विजय तोतला, बबीता तोतला, उमा देवी तोतला एवं तोतला परिवार के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

कथा के दौरान महंत अमृत दास खाकी ने बताया कि महाभारत युद्ध में कौरव सेना के विनाश के बाद जब भीम ने दुर्योधन की जंघा पर प्रहार किया, तब मृत्युशैया पर पड़े दुर्योधन ने अश्वत्थामा से अपनी अंतिम इच्छा व्यक्त की। दुर्योधन ने कहा कि उसके 99 भाई युद्ध में मारे जा चुके हैं और यदि मरने से पहले एक पांडव की भी मृत्यु हो जाए तो उसकी अंतिम इच्छा पूर्ण हो जाएगी।

इस पर अश्वत्थामा ने प्रतिज्ञा की कि वह पांचों पांडवों के सिर काटकर लाएगा। किंतु भगवान श्रीकृष्ण की लीला से उस रात पांडव वहां नहीं थे और अश्वत्थामा ने उनके पुत्रों का वध कर दिया। जब वह उनके मस्तक लेकर दुर्योधन के पास पहुंचा तो दुर्योधन भी व्यथित हो उठा और बोला कि अब दोनों कुलों को तिलांजलि देने वाला कोई नहीं बचेगा।

महंत अमृत दास खाकी ने आगे कहा कि जब अर्जुन अश्वत्थामा का वध करने के लिए तत्पर हुए तो भगवान श्रीकृष्ण ने गुरुपुत्र होने के कारण उसे न मारने की सलाह दी। इसके स्थान पर उसकी मणि छीन ली गई, जिससे वह अपमानित होकर जीवनभर मृतक समान जीवन जीने को विवश हुआ।

कथा व्यास ने कहा कि संसार में कोई व्यक्ति कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, यदि वह अन्याय और अधर्म का मार्ग अपनाता है तो उसे उसके कर्मों का दंड अवश्य भुगतना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अति का अंत निश्चित है और सत्य तथा धर्म की सदैव विजय होती है।

कथा में जगतगुरु श्री श्री 1008 रामानन्दाचार्य स्वामी सर्वेशाचार्य जी, महंत मोहनदास जी, महंत शिवशंकर दास जी, महामंडलेश्वर महंत गिरीश दास जी, महंत जानकी दास जी, महामंडलेश्वर केशव दास जी, महंत संजीवन दास जी, महंत प्रेमदास जी, महंत कल्याणदास जी, महंत प्रभुदास जी, महंत अरुण दास जी, महंत मुन्नू दास जी, महंत विष्णु दास जी, महंत चेतन गिरी जी, विवेक स्वामी जी, पवन भारद्वाज जी, आचार्य सुनील कुमार पाण्डेय, पुरुषोत्तम मिश्रा, राजकुमारी मिश्रा, गोपाल राठी, विनोद शर्मा, नीलेश मुंदड़ा, दीपक मिश्रा, आशीष कालिया, भरत ओझा, रमेश यादव, बिहारी लाल यादव, संतोष सिंह, मनीषा सिंह, शुभम तोतला, लखन तोतला, केशव तोतला, खूबचंद तोतला, घनश्याम मालानी, दिलीप मनियार, राधेश्याम राठी, चंपालाल सोनी, दिनेश जाजू सहित बड़ी संख्या में संत-महात्मा, श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गोदावरी रेत खनन की सीबीआई जांच की मांग

पूर्व डीजीपी और आदिवासी नेताओं ने राजस्व के उपयोग पर श्वेत पत्र मांगा

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और ऑल इंडिया बहुजन समाज पार्टी (एआईबीएसपी) के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. जे. पूर्णचंद्र राव (सेवानिवृत्त), पूर्व विधायक व खम्मम जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष चंदा लिंगैया दोरा ने भद्राद्री कोठागुडेम और मुलुगु जिलों में गोदावरी नदी के किनारे रेत खनन कार्यों में कथित अनियमितताओं की व्यापक सीबीआई जांच की मांग की है।

शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में नेताओं ने आरोप लगाया कि सीताराम सिंचाई परियोजना से जुड़े डीसिल्टेशन (गाद निकालने) के काम की आड़ में बड़े पैमाने पर रेत का निष्कर्षण किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भद्राचलम, दुम्मुगुडेम, वाजेदु और वेंकटपुरम क्षेत्रों में संचालित आदिवासी रेत सोसायटियों के माध्यम से रेत निकाली और बेची जा रही है, जबकि स्थानीय आदिवासी समुदायों को इस गतिविधि से बेहद सीमित लाभ मिल रहा है।

बयान के अनुसार, दोनों जिलों में वर्तमान में 114 आदिवासी रेत सोसायटियां कार्यरत हैं, जिनमें भद्राद्री कोठागुडेम में 74 और मुलुगु में 40 सोसायटियां शामिल हैं। नेताओं ने आरोप लगाया कि रेत खनन के माध्यम से भारी राजस्व उत्पन्न होने के बावजूद, इन फंडों का उपयोग पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम (पेसा - पीईएसए) की भावना के अनुरूप अनुसूचित क्षेत्रों के विकास के लिए नहीं किया जा रहा है।

लिंगैया दोरा द्वारा प्रस्तुत अनुमानों का हवाला देते हुए बयान में दावा किया गया कि प्रतिदिन लगभग 5.7 लाख घन मीटर रेत निकाली जा रही है और इसे लगभग 1,800 रुपये प्रति घन मीटर की औसत कीमत पर बेचा जा रहा है। इन गणनाओं के आधार पर नेताओं ने आरोप लगाया कि 2014 से 2026 के बीच गोदावरी रेत खनन से प्राप्त राजस्व 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार तुरंत एक श्वेत पत्र जारी करे, जिसमें कुल रेत निष्कर्षण, राजस्व संग्रह, किए गए खर्च और आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए आवंटित धन का विस्तृत विवरण हो। उन्होंने 2014 से रेत खनन से जुड़े सभी लेन-देन के स्वतंत्र वित्तीय ऑडिट की भी मांग की।

नेताओं ने आगे आरोप लगाया कि पेसा अधिनियम, अनुसूचित क्षेत्र भूमि हस्तांतरण विनियम (आमतौर पर 1/70 विनियमन के रूप में ज्ञात), और वन अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन में गंभीर कमियां थीं। उन्होंने तर्क दिया कि अनुसूचित क्षेत्रों को प्रभावित करने वाले कई निर्णय ग्राम सभाओं की सहमति के बिना लिए जा रहे थे, जो आदिवासी स्वशासन को नियंत्रित करने वाले संवैधानिक ढांचे के विपरीत है।

राज्यपाल, जिन्हें उन्होंने अनुसूचित क्षेत्रों का संवैधानिक संरक्षक बताया, के हस्तक्षेप की मांग करते हुए उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में शासन, प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और भूमि अलगाव से संबंधित मुद्दों की समीक्षा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही इन मुद्दों पर राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपेगा।

देश भर में आदिवासी भूमि, भाषाओं, संस्कृति और धार्मिक परंपराओं पर बढ़ते खतरों पर चिंता व्यक्त करते हुए नेताओं ने कहा कि वे अधिक आदिवासी स्वशासन और एक अलग आदिवासी राज्य के निर्माण के लिए अपना अभियान तेज करेंगे। उन्होंने कोया भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने, 2027 की जन-गणना में आदिवासी धर्म के लिए एक अलग कोड आवंटित करने, ग्राम सभाओं की देखरेख में एसटी उप-योजना कोष के प्रभावी उपयोग और पोलावरम परियोजना के विस्थापित परिवारों के लिए व्यापक पुनर्वास उपायों की भी मांग की।

बयान में आगे गोदावरी रेत खनन कार्यों, पेसा प्रावधानों के कार्यान्वयन और आदिवासी क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों से उत्पन्न राजस्व के उपयोग की सीबीआई द्वारा या उच्च न्यायालय की देखरेख में विशेष जांच कराने की मांग की गई। इस कार्यक्रम में बीसी टाइम्स के संपादक संगम सूर्यराव, आदिवासी नेता पायम सत्यनारायण और कई अन्य लोगों ने भाग लिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित लोगों में आदिवासी संवैधानिक अधिकारों और संस्कृति के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय समन्वय समिति के राष्ट्रीय महासचिव रमननाला लक्ष्मैया, राज्य संयोजक पायम सत्यनारायण और मडावी नरसिम्हा राव, और राज्य सह-संयोजक वज्जा नरसिम्हा राव, लोकिनी राजू और संजीव सादीमेका शामिल थे। उपस्थित लोगों ने गोदावरी रेत खनन कार्यों और उनसे उत्पन्न राजस्व के उपयोग की व्यापक जांच की मांग दोहराई।

निराश्रित जनों की सेवा ही सच्ची मानवता का परिचय : जयप्रकाश सारडा

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर रविवार को नियमित सेवा एवं अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद, निराश्रित एवं असहाय लोगों को भोजन एवं आवश्यक सामग्री वितरित कर सेवा कार्य संपन्न किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जयप्रकाश शारदा ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना ही वास्तविक मानव धर्म है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप वर्षों से निस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में जुटा हुआ है और यही भावना समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का आधार बनती है। सेवा केवल दान देने का नाम नहीं है, बल्कि किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास है। जब हम अपने संसाधनों का एक भाग समाज के कमजोर वर्गों के लिए समर्पित करते हैं, तब हमारे जीवन का वास्तविक उद्देश्य सार्थक होता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक संवेदनाओं को जीवित रखने की आवश्यकता है। समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को सेवा, सहयोग और परोपकार के कार्यों में भागीदारी निभानी चाहिए। इससे न केवल जरूरतमंदों को सहायता मिलती है बल्कि सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों को भी मजबूती मिलती है। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, संस्कार और सहयोग की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है।कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, मनोज डालमिया, उमा डालमिया, सुभाष अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, संजय अग्रवाल एवं मनीष अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत अभियान से जोड़ने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सदस्यों ने समाज में प्रेम, करुणा, सहयोग एवं सेवा की भावना को मजबूत बनाने का संदेश देते हुए कहा कि मानव सेवा ही ईश्वर सेवा का सर्वोत्तम मार्ग है।

नीट पेपर लीक और बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का विशाल विरोध मार्च

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्र सरकार की नीतियों और विभिन्न विफलताओं के खिलाफ आज कांग्रेस पार्टी ने सड़क पर उतरकर एक विशाल विरोध रैली का आयोजन किया। यह रैली बशीरबाग चौराहे से शुरू होकर टैंक बंड स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर प्रतिमा तक निकाली गई, जहाँ कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया।

इस बड़े विरोध प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य नीट पेपर लीक मामले में केंद्र सरकार के रुख, एलपीजी , पेट्रोल और डीजल की आसमान छूती कीमतों, सीबीएसई की कमियों और लगातार गिरते रुपये के मूल्य जैसे गंभीर मुद्दों पर अपनी मजबूत असहमति जताना था।

खैरताबाद के जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मोथा रोहित के नेतृत्व में आयोजित इस विशाल रैली में कांग्रेस के कई शीर्ष और वरिष्ठ दिग्गज नेता शामिल हुए। रैली में मुख्य रूप से माननीय टीपीसीसी प्रमुख महेश गौड़ जी, राज्यसभा सांसद अनिल कुमार यादव, शहर के मंत्री पोन्नम प्रभाकर और मत्स्य पालन अध्यक्ष मेत्तू साई कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इनके अलावा पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता इस मार्च में शामिल हुए। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की।

मां तारा देवी मंदिर, केसपा में असीम शांति का अनुभव : प्रो. सतीश सिंह चंद्रा

पटना, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार प्रदेश के गया कॉलेज, गया के प्राचार्य प्रो. सतीश सिंह चंद्रा अपने भाइयों प्रधानाध्यापक राजेंद्र सिंह चंद्रा एवं डॉ. सतेन्द्र सिंह चंद्रा के साथ प्रखंड अंतर्गत केसपा स्थित लोक आस्था के महाकेंद्र एवं प्राचीन मां तारा देवी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंदिर परिसर में उनके आगमन पर मुखिया प्रतिनिधि अमिताभ कुमार, पूर्व कुलसचिव डॉ. गिरजेश नंदन, नगर मध्य विद्यालय, टिकारी के प्रधानाध्यापक रिंटू कुमार सहित कई प्रबुद्धजनों ने उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर मंदिर के पुजारी वकील पांडेय के आग्रह पर प्रो. चंद्रा ने मंदिर की अतिथि टिप्पणी पुस्तिका में अपने विचार दर्ज किए तथा मां तारा धाम की धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता की सराहना की।

उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में उन्हें असीम शांति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव हुआ।

इस बीच ग्रामीण हिमांशु शेखर ने कहा कि

मां तारा नगरी केसपा सनातन एवं बौद्ध धर्मावलंबियों की आस्था का प्रमुख केंद्र रही है। उन्होंने कहा कि सभी शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को इस ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल का भ्रमण अवश्य करना चाहिए, ताकि वे इसकी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सकें।उन्होंने बताया कि इस मंदिर में प्रसिद्ध साहित्यकार एवं धर्मचिंतक राहुल सांकृत्यायन तथा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी पूजा-अर्चना कर चुके हैं। प्रतिवर्ष देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक एवं श्रद्धालु इस ऐतिहासिक गांव का भ्रमण करने आते हैं। गांव के प्राचीन ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व को देखते हुए वर्ष 2014 में इसका चयन सांसद आदर्श ग्राम के रूप में किया गया था। ग्रामीणों की मांग और क्षेत्र की धार्मिक पहचान को ध्यान में रखते हुए बिहार सरकार के तत्वावधान में प्रतिवर्ष मां तारा देवी महोत्सव का आयोजन भी किया जाता है।

इस दौरान उपस्थित अतिथियों ने केसपा गांव की धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन तथा व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल देते हुए इसे राष्ट्रीय पर्यटन एवं आध्यात्मिक मानचित्र पर और अधिक सशक्त पहचान दिलाने की बात कही।

ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिरा, चालक की मौके पर मौत

बांसवाड़ा, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुराने बांसवाड़ा मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान कांथा राव के पुत्र, 36 वर्षीय चालक के रूप में हुई है, जो पेशे से ड्राइवर था। बताया गया है कि वह बांसवाड़ा से किष्टपुर की ओर अपना ट्रैक्टर लेकर जा रहा था। इसी दौरान पुराने बांसवाड़ा रोड के निकट ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क के बाईं ओर स्थित गड्ढे में जा गिरा।

बांसवाड़ा थाना प्रभारी (एसएचओ) के अनुसार दुर्घटना के दौरान चालक ट्रैक्टर से नीचे गिर गया। गिरने से उसके माथे पर गंभीर चोटें आईं तथा कानों से खून बहने लगा। चोटें अत्यंत गंभीर होने के कारण उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लिया। शिकायतकर्ता की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रुद्राक्ष का आध्यात्मिक और औषधीय महत्व

हिंदू धर्म में सदियों से पूजा-पाठ, यज्ञ, हवन जैसे शुभ कार्यों में रुद्राक्ष का प्रयोग किया जाता है। रुद्राक्ष के बिना कोई भी धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण नहीं होता। अब तो वैज्ञानिक अनुसंधानों के माध्यम से पूरी दुनिया में रुद्राक्ष की गुणवत्ता साबित हो चुकी है। इसके अद्भुत औषधीय गुण प्रयोगशाला में जांच के बाद सही साबित हुए है। इसे धारण करने से शरीर स्वस्थ और मन शांत रहता है।

उत्पत्ति की कथा

वस्तुत: रुद्राक्ष शब्द का संधि विच्छेद है- रुद्र+अक्षि। अर्थात भगवान शिव का नेत्र। इसकी उत्पत्ति और नामकरण के पीछे यह कथा प्रचलित है कि त्रिपुरासुर का वध करते समय रुद्रावतार धारण किए भगवान शंकर की आंखों से बहने वाला जल रुद्राक्ष के रूप में पृथ्वी पर साकार हुआ। इसकी उत्पत्ति के संबंध में यह भी कहा जाता है कि जब हिमालय की पुत्री सती ने स्वयं को हवन कुंड में समाहित कर दिया था तो भगवान शिव ने रौद्र रूप धारण कर लिया था और सती का शव कंधे पर उठा कर ब्रह्मांड का विनाश करने के लिए तांडव नृत्य करने लगे। शिव जी को रोकने के लिए भगवान विष्णु ने अपना सुदर्शन चक्र चलाया, जिससे सती के शरीर के कई टुकड़े हो गए। टुकड़े जहां-जहां हिस्सों में गिरे, वहां-वहां शक्तिपीठ की स्थापना हुई। अंत में भगवान शिव के शरीर पर सिर्फ सती के शरीर का भस्म रह गया। जिसे देखकर वह रो पड़े। इस तरह भगवान शिव के आंसुओं से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई।

स्वास्थ्यवर्धक औषधि

रुद्राक्ष एक वनस्पति है। इसके पेड़ पर बेर जैसे फल लगते है। ये पेड़ हिमालय की तराई में पाए जाते है। रुद्राक्ष के प्रभाव से आसपास का संपूर्ण वातावरण शुद्ध हो जाता है। इसे रातभर भिगोकर रखने के बाद और प्रात:काल नियमित रूप से खाली पेट इसका पानी पीना हृदय रोगियों के लिए बहुतलाभदायक साबित होता है।

मान्यता के अनुसार, 1 से लेकर 35 मुंह तक के रुद्राक्ष उपलब्ध है। विविध कार्यसिद्धि के लिए विभिन्न रुद्राक्ष उपयोग में लाए जाते है। लेकिन गौरी-शंकर नामक संयुक्त रुद्राक्ष, पैंतीस मुखी एवं एकमुखी रुद्राक्ष बहुत कम प्राप्त होते है। पुराना रुद्राक्ष अधिक प्रभावशाली होता है।

रुद्राक्ष के विभिन्न प्रकार

रुद्राक्ष की अलग-अलग किस्मों के लाभ भी अलग होते है। यहां प्रस्तुत है रुद्राक्ष के प्रमुख प्रकार और उनके फायदे:

- एकमुखी रुद्राक्ष: यह आंख, नाक, कान और गले की बीमारियों को दूर करने में सहायक होता है।
- द्विमुखी रुद्राक्ष: यह मस्तिष्क की शांति, धैर्य और सामाजिक प्रतिष्ठा की वृद्धि में सहायक होता है। साथ ही इसे धारण करने से पाचन तंत्र संबंधी समस्याएं भी काफी हद तक दूर हो जाती है।

- पंचमुखी रुद्राक्ष: यह पंच ब्रह्म तत्व का प्रतीक है। यह युवाओं के जीवन को सही दिशा देता है। इससे धन और मान-सम्मान में वृद्धि होती है और यह उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करता है।
- सप्तमुखी रुद्राक्ष: यह भगवान कार्तिकेय का प्रतीक माना जाता है तथा इसे धारण करने से आंखों की दृष्टि में वृद्धि होती है।

आमतौर पर चतुर्मुखी रुद्राक्ष शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के लिए, पंचमुखी रुद्राक्ष नित्य जप के लिए, षड्मुखी रुद्राक्ष पुत्र प्राप्ति के लिए, चतुर्दश एवं पंचदशमुखी रुद्राक्ष लक्ष्मी प्राप्ति के लिए तथा इक्कीस मुखी रुद्राक्ष ज्ञान प्राप्ति के लिए धारण करने की प्रथा है।

कैसे धारण करे रुद्राक्ष

रुद्राक्ष स्वभाव से ही प्रभावी होता है, लेकिन यदि उसे विशेष पद्धति से सिद्ध किया जाए तो उसका प्रभाव कई गुना अधिक हो जाता है। अगर जप के लिए रुद्राक्ष की माला सिद्ध करनी हो तो सबसे पहले उसे पंचगव्य में डुबोएं, फिर साफ पानी से धो लें। हर मनके पर 'ईशान: सर्वभूतानां' मंत्र का 10 बार जप करे।

यदि रुद्राक्ष के सिर्फ एक मनके को सिद्ध करना हो तो पहले उसे पंचगव्य से स्नान कराएं और उस पर गंगाजल का छिड़काव करें। उसके बाद षोडशोपचार से पूजा करके उसे चांदी के डिब्बे में रखें। हाथों में कुश लेकर उसका स्पर्श रुद्राक्ष से करके इच्छित इष्टमंत्र का जप करे।

विविध रुद्राक्ष विभिन्न कार्यो के लिए काम में लाए जाते है। इसलिए उनके मंत्र एवं सूक्त भी अलग-अलग है। श्रीसूक्त, विष्णुसूक्त, पवमान रुद्र, मन्युसूक्त, चतुर्दश प्रणवात्मक महामृत्युंजय, शांतिसूक्त, रुद्रसूक्त तथा सौरसूक्त आदि का उपयोग कार्यानुसार रुद्राक्ष सिद्धि के लिए किया जाता है। रुद्राक्ष सिद्ध करना सहज है, लेकिन उसकी सिद्धि बनाए रखना मुश्किल है। असत्य वचन और बुरे व्यवहार आदि कारणों से रुद्राक्ष की सिद्धि कम हो जाती है। अत: इसे धारण करने वाले व्यक्ति को सदाचार का पालन करना चाहिए।

गले में 108 या 32 रुद्राक्षों की माला पहनने की प्रथा है। हाथों में भी 27, 54 या 108 रुद्राक्षों की माला पहननी चाहिए। भगवान शिव का पूजन करते समय रुद्राक्ष अवश्य धारण करे। शरीर से रुद्राक्ष का स्पर्श होना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होता है।

घर की पूर्व दिशा में बनवाएं सीढ़ियां

वास्तु

यदि मकान बहुमंजिला है तो उसमें सीढ़ियां अवश्य होंगी। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर का प्रत्येक हिस्सा महत्वपूर्ण होता है और घर के सदस्यों पर उनका विशेष प्रभाव भी होता है। अत: वास्तु के अंतर्गत सीढ़ियों के संबंध में कुछ जरूरी बातें बताई गई हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

- सीढ़ियों का उतार-चढ़ाव ढलान के अनुसार ही होना चाहिए। सीढ़ियों पर पूर्व से पश्चिम की तरफ या उत्तर से दक्षिण की तरफ चढ़ाई हो सकती हैं।
- यदि सीढ़ियां बीच में घुमावदार हों तो यह घुमाव चढ़ते समय क्लॉकवाइज यानी बाएं से दाएं होनी चाहिएं। चूंकि पृथ्वी भी इसी दिशा में घूमती है और चढ़ते समय एनर्जी भी अधिक खर्च होती है, इसलिए क्लॉकवाइज घूमते हुए ही चढ़ना चाहिए ताकि अतिरिक्त ऊर्जा न लगानी पड़े।
- चूंकि उतरते समय कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है, इसलिए एंटी-क्लॉकवाइज घूमते हुए भी उतरा जा सकता है।
- बड़े भवनों में नीचे से दो तरफ़ से सीढ़ियां चढ़ाई जाती हैं और घुमाव के स्थान पर मिलाते हुए ऊपर कर दी जाती है अथवा नीचे से एक सीढ़ी चढ़ाते हुए घुमाव के स्थान पर दो भागों में दो तरफ़ चढ़ा दी जाती है, इससे चढ़ते व उतरते समय क्लॉकवाइज घूमा जा सकता है।
- यदि सीढ़ियां बिल्कुल सीधी हैं और बीच में कोई घुमाव नहीं है तब भी छत पर प्रवेश करते समय घड़ी की सुइयों की दिशा में ही दरवाजा होना चाहिए ताकि छत के कमरे में प्रवेश करते समय क्लॉकवाइज घूमना पड़े। एंटी-क्लॉकवाइज घुमाव वाला दरवाजा न रखें। यदि सीढ़ियां सीधे ही छत के कमरे में प्रवेश करती हों तब किसी परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।
- भवन के मध्य भाग में कोई पिलर अथवा सीढ़ियां नहीं बनवाई जानी चाहिएं।
- वास्तु सम्मत सीढ़ियां भवन के पूर्व या दक्षिण दिशा में बनवाई जानी चाहिएं।

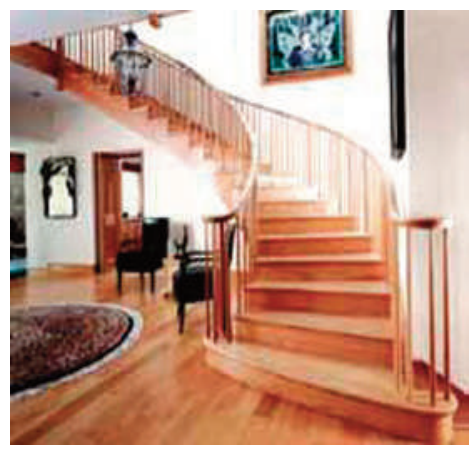

कैसा हो आपका स्टडी रूम

स्टडी रूम यानी जीवन का अहम् हिस्सा जहाँ यूथ अपना अधिक से अधिक समय बिताते हैं। यदि यह आपको सूट न करे तो बड़ी गड़बड़ हो सकती है और आपका ध्यान पढाई से हट भी सकता है।

स्टडी रूम हमेशा नॉर्थ, ईस्ट या नॉर्थ-ईस्ट में ही होना चाहिए। स्टडी टेबल हमेशा लकड़ी की हो। लोहे का प्रयोग न करें। टेबल की सतह चिकनी हो, खुरदरी न हो। टेबल समतल हो, खुरदरी न हो।

टेबल को कभी दीवार से अलग न रखे नहीं तो एकाग्रता में बाधा आ सकती है। स्टडी टेबल का शेप हमेशा चौकोर हो, गोल टेबल न रखे।

टेबल की हाईट आपकी हाईट के अनुसार ही हो। ताकि आपकी कमर न झुके। पढ़ने बैठते समय आपका मुख नॉर्थ या नॉर्थ-ईस्ट में होना चाहिए। बुक्स को हमेशा अपने राईट साइड में रखे और लाइट को बाएँ तरफ से आने दें। स्टडी टेबल के सामने अपने इष्ट देवता, माता-पिता या किसी महान व्यक्ति की तस्वीर लगा सकते हैं, मगर फिल्म स्टार या बेहूदी फोटो न लगाएँ।

कमरे का और स्टडी टेबल का रंग राशि के अनुसार हो। मेष और वृश्चिक सफेद व पिंक का प्रयोग करें। वृषभ और तुला सफेद-ग्रीन का इस्तेमाल करें। मिथुन और कन्या ग्रीन, सिंह ब्ल्यू, कर्क रेड एवं व्हाइट, धनु-मीन पीले-सुनहरे और मकर-कुंभ ब्ल्यू के सारे शेड्स का प्रयोग करें।

विशेष : स्टडी रूम में कभी भी गहरे रंग, काले रंग का प्रयोग न करें। पानी वाले शो पीस या पानी की तस्वीर जरूर लगाएँ।

सिंदूर भरने के फायदे

भारतीय वैदिक परंपरा खासतौर पर हिंदू समाज में शादी के बाद महिलाओं को मांग में सिंदूर भरना आवश्यक हो जाता है। आधुनिक दौर में अब सिंदूर की जगह कुमकुम और अन्य चीजों ने ले ली है। सवाल यह उठता है कि आखिर सिंदूर ही क्यों लगाया जाता है।

दरअसल इसके पीछे एक बड़ा वैज्ञानिक कारण है। यह मामला पूरी तरह स्वास्थ्य से जुडा है। सिर के उस स्थान पर जहां मांग भरी जाने की परंपरा है, मस्तिष्क की एक महत्वपूर्ण ग्रंथी होती है, जिसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं। यह अत्यंत संवेदनशील भी होती है। यह मांग के स्थान यानी कपाल के अंत से लेकर सिर के मध्य तक होती है। सिंदूर इसलिए लगाया जाता है क्योंकि इसमें पारा नाम की धातु होती है। पारा ब्रह्मरंध्र के लिए औषधि का काम करता है। महिलाओं को तनाव से दूर रखता है और मस्तिष्क हमेशा चैतन्य अवस्था में रखता है।

विवाह के बाद ही मांग इसलिए भरी जाती है क्योंकि विवाह के बाद जब गृहस्थी का दबाव महिला पर आता है तो उसे तनावए चिंता और अनिद्रा जैसी बीमारिया आमतौर पर घेर लेती हैं। पारा एकमात्र ऐसी धातु है जो तरल रूप में रहती है। यह मष्तिष्क के लिए लाकारी है, इस कारण सिंदूर मांग में भरा जाता है।

गणपति होंगे प्रसन्न देंगे श्री और ज्ञान अगर करेंगे बुधवार को उनकी पूजा

प्रातर्नमामि चतुराननवन्द्यमानमिच्छानुकूलमखिलं च वरं ददानु,
तं तुन्दिलं द्विरसनाधिपयज्ञसूत्रं पुत्रं विलासचतुरं शिवयो: शिवाय।
प्रातर्भजाम्यभयदं खलु भक्तशोकदावानलं गणविभुं वरकुञ्जरास्य्,
अज्ञानकाननविनाशनहव्यवाहमुत्साहवर्धनमहं सुतमीश्वरस्य।

गणपति होंगे प्रसन्न देंगे श्री और ज्ञान अगर करेंगे बुधवार को उनकी पूजागणपति होंगे प्रसन्न देंगे श्री और ज्ञान अगर करेंगे बुधवार को उनकी पूजाबुधवार का दिन श्रीगणेश की सेवा का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन गणपति की पूजा से सभी दैहिक और भातिक कष्ट दूर होते हैं।

गणपति पूजन का विशेष दिन

वैदिक मान्यताओं के अनुसार श्री गणेश की पूजा का विशेष दिन बुधवार बताया गया है। हालांकि इस दिन बुध ग्रह के लिए भी पूजा की जाती है, क्योंकि बुधवार के स्वामी बुध ग्रह भी है। बुध और गणेश दोनों ही बुद्धि के कारक माने जाते हैं। अत: इस दिन बुद्धि के दाता श्री गणेश की मोदक का भोग लगाकर पूजा करने से ज्ञान का वरदान प्राप्त होता है।

कुंडली में बुद्ध ग्रह की होती है शांति

इसके साथ ही यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में बुध ग्रह अशुभ स्थिति में हो तो उसे बुधवार को गणेश जी को सिंदूर, चंदन, यज्ञोपवीत, दूर्वा, लड्डू या गुड़ से बनी मिठाई का भोग लगाना चाहिए। इसके अलावा इस दिन धूप व दीप से श्री गणेश की आरती करें। साथ ही पूजा के दौरान नीचे दिए मंत्र का जाप भी करें।

इसका अर्थ यह है कि मैं ऐसे देवता का पूजन करता हूं, जिनकी पूजा स्वयं ब्रह्मदेव करते हैं। जो मनोरथ सिद्धि करने वाले हैं, भय दूर करने वाले हैं, शोक का नाश करने वाले हैं, गुणों के नायक हैं, गजमुख हैं, अज्ञान का नाश करने वाले हैं। मैं शिव पुत्र श्री गणेश का सुख-सफलता की कामना से भजन, पूजन और स्मरण करता हूं।

होते हैं ये लाभ

इसके साथ ही बुधवार को गणेश जी की पूजा से कई बिगडे काम भी बन जाते हैं। जैसे गणेश मंत्र का जाप करने से ग्रह दोष का नाश होता है, गणपति पूजन से शत्रुओं से बचाव के साथ परिवार और पूजा करने वाले के दु:ख दूर हो जाते हैं। गणेश जी की पूजा में तुलसी का प्रयोग बिलकुल नहीं करना चाहिए वरना इच्छित फल की प्राप्ति नहीं होती है।

क्यों करते हैं कुंडली मिलान

हिंदू धर्म शास्त्रों में सोलह संस्कार बताए गए हैं। इनमें काफी महत्वपूर्ण है विवाह संस्कार। वर-वधू का जीवन सुखी बना रहे इसके लिए विवाह पूर्व लड़के और लड़की की कुंडली का मिलान कराया जाता है। किसी विशेषज्ञ ज्योतिषी द्वारा भावी दंपत्ति की कुंडलियों से दोनों के गुण और दोष मिलाए जाते हैं।

साथ ही दोनों की पत्रिका में ग्रहों की स्थिति को देखते हुए इनका वैवाहिक जीवन कैसा रहेगा? इसका भी सटीक अंदाज़ा लगाया जाता है। यदि दोनों की कुंडलियां के आधार पर उनका जीवन सुखी प्रतीत होता है, तभी ज्योतिषी विवाह करने की बात कहता है।

कुंडली के सही अध्ययन से किसी भी व्यक्ति के सभी गुण-दोष जाने जा सकते हैं। कुंडली में स्थित ग्रहों के आधार पर ही हमारा व्यवहार, आचार-विचार आदि निर्मित होते हैं। उनके भविष्य से जुड़ी बातों की जानकारी प्राप्त की जाती है। कुंडली से ही पता लगाया जाता है कि

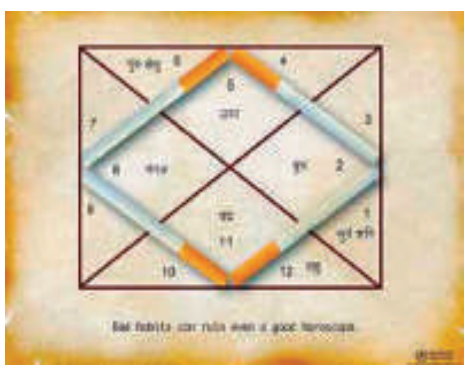

वर-वधू भविष्य में एक-दूसरे की सफलता के लिए सहयोगी सिद्ध होंगे या नहीं। वर-वधू की कुंडली मिलाने से दोनों के एक साथ भविष्य की संभावित जानकारी प्राप्त हो जाती है, इसलिए विवाह से पहले कुंडली मिलान किया जाता है।

आपके हाथों की रेखाएं भी बताती हैं आपके जीवन के राज, जानें

अक्सर लोग अपने हाथ की रेखाओं को देखकर सोचते हैं क्या उन्हें जीवन में कभी कामयाबी मिलेगी? लेकिन हममें से अधिकतर लोगों को हस्तरेखा के बारे में जानकारी नहीं होती। ऐसे में वो किसी ज्योतिष को अपना हाथ दिखाकर उसकी कही बातों पर यकीन कर लेते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि हाथों की अधिकतर लकीरें ऐसी होती हैं। जिसे देखकर आप अपनी किस्मत के बारे में काफी कुछ पता लगा सकते हैं इससे लिए आपको किसी ज्योतिष की भी जरूरत नहीं पडेगी। आइए, हम आपको बताते हैं किस्मत की लकीर पढने के कुछ तरीके।

जीवन रेखा

जीवन रेखा आपके हाथ की सबसे महत्वपूर्ण रेखा है जिसमें आपके जीवन के साथ आपकी जिदंगी में होने वाली मुख्य घटनाओं के कई रहस्य छुपे होते हैं। अगर आपकी ये रेखा गहरी और लम्बी है तो यानि आपकी सेहत अच्छी होगी। वहीं दूसरी ओर रेखा के पतले और छोटे होने पर कई शारीरिक परेशानियों से आपको उम्र भर घिरा रहना पडता है।

हृदय रेखा

हृदय रेखा में आपके प्यार और रिश्तों से जुड़े हुए कई रहस्य होते हैं। अगर आप किसी इंसान के बारे में ये जानना चाहते हैं कि वो भावुक है या नहीं तो, आप हृदय रेखा देखकर उस इंसान के बारे में अंदाजा लगा सकते हैं। हाथों पर सीधी और छोटी हृदय रेखा होने का अर्थ होता है कि कोई व्यक्ति अपने शब्दों से ज्यादा अपने काम से प्यार जताता है। अगर किसी व्यक्ति की ये रेखा मुडी हुई है तो यानि उस व्यक्ति की इच्छाएं बहुत प्रबल होती है।

मस्तिष्क रेखा

मस्तिष्क रेखा किसी व्यक्ति के ज्ञान और विवेक की जानकारी देती है। साथ ही इससे आपके मनोज्ञान के बारे में भी पता चलता है। इस रेखा के छोटे होने का अर्थ ये है कि आप जीवन में किसी भी फैसले को बडी आसानी से ले लेते हैं। जबकि इस रेखा के लम्बे होने का अर्थ ये है कि आप किसी बात को गहराई से जानकर उसके बारे में निर्णय लेते हैं। लम्बी और मुडी हुई रेखा का अर्थ है कि आप रचनात्मक सोच रखते हैं।

म्यांमार में खाते खाना और सोते भारत में!

आपको यह पढ़कर शायद थोड़ा अजीब लगे, लेकिन बिल्कुल सच्च है। इस गांव के लोग बिना वीजा के म्यांमार में जा सकते हैं। दरअसल, इस गांव का आधा हिस्सा भारत में तो आधा हिस्सा म्यांमार में है। यहां के राजा के घर के बीच से गुजरता है बॉर्डर। इस ट्राइब्स के राजा का नाम अंग नगोवांग है, जिनके अधीन लोंगवा समेत कुल 75 गांव आते हैं। वहीं, इनके घर के बीच से होकर म्यांमार और भारत का बॉर्डर गुजरता है। ऐसे में इनका परिवार खाना तो म्यांमार के हिस्से में खाता है, लेकिन सोने के लिए भारतीय सीमा का उपयोग करता है। लोंगवा गांव के राजा की फैमिली भी काफी बड़ी है, जिसमें उनकी 60 बीवियां भी शामिल हैं। वहीं, राजा का बेटा म्यांमार आर्मी में है। भारत-म्यांमार सीमा पर होने के कारण यहां के लोगों को तकनीकी तौर दोनों ही देशों की नागरिकता मिली हुई है। ऐसे में इन्हें म्यांमार जाने के लिए न तो वीजा की जरूरत होती है और न ही भारतीय पासपोर्ट की। यहां के लोग दोनों ही देशों में स्वतंत्र रूप से घूम सकते हैं।

साफ हवा सुधारती है बच्चों के फेफड़ों की सेहत

साफ हवा में सांस लेना अमूमन सभी के लिए सेहतमंद माना जाता है, लेकिन बच्चे के लिए एक और भी फायदेमंद है। ताजा शोध के मुताबिक साफ हवा बच्चे के फेफडे की बेहतर सेहत के लिए लाभदायक है। शोध के अनुसार बच्चे के आसपास साफ हवा मुहैया कराने की कोशिश बचपन में उसके फेफडे की सेहत के लिए अच्छा तो है ही, यह भविष्य में भी उसके लिए फायदेमंद रहता है।

सेहत के लिए फायदेमंद है जलजीरा

गर्म और सुस्त दिन को ताजगी से भरने का आसान उपाय है, एक ग्लास ठंडा जलजीरा! ये रिफ्रेशिंग ड्रिंक आपके कभी न कभी जरूर पी होगी। जलजीरा में मिलाया गया काला नमक, जीरा, अदरक, नींबू, पुदीना, आमचूर पावडर और इसी तरह की अन्य सामग्री, इसे न सिर्फ टेस्ट में शानदार बनाती है बल्कि सेहत के लिए भी ये एक हेल्दी ड्रिंक बन जाती है। हम आपको जलजीरा के ऐसे 5 फायदे बताएंगे, जिसको जानने के बाद आप कभी-कभी नहीं, बल्कि हर रोज इस रिफ्रेशिंग ड्रिंक को पीना चाहेंगे।

पाचन क्रिया को तेज बनाए

जलजीरा में डाला गया काला नमक आंतों की गैस से लड़ता है और पाचन क्रिया को तेज बनाता है। जलजीरा, सीने में जलन से राहत दिलाता है और शरीर को रीहाईड्रेट करता है।

एनेमिया से बचाव

जीरे में आयरन उच्च मात्रा में होता है, इसीलिए वो एनीमिया से बचाव करता है। जलजीरा इम्यूनिटी पावर को भी बढ़ाता है और आपके शरीर को ठंडा रखता है।

पेट की खराबी में राहत

जलजीरा में अदरक होता है, इसलिए ये मतली की समस्या को ठीक करता है। अगर आपको पेट में दर्द है, पीरियड्स के क्रैंप्स हो रहे हैं, उल्टी, गैस या अर्थराइटिस की समस्या है, तब भी जलजीरा आपको राहत पहुंचा सकता है।

विटामिन सी की कमी दूर करने में मददगार

जलजीरा में आमचूर पावडर डाला जाता है। आमचूर में उच्च मात्रा में विटामिन सी होता है जो कि आपकी इम्यूनिटी पावर को बढ़ाता है और बहुत सी बीमारियों से आपका बचाव करता है।

लो कैलोरी ड्रिंक

आप जब चाहें जलजीरा पी सकते हैं, वो भी बिना कैलोरी की चिंता किए! इसलिए अगर आप वेट लॉस कर रहे हैं तो सोडा ड्रिंक पीने से बेहतर है आप जलजीरा पिएं। ये आपके शरीर के सिस्टम को डिटॉक्सीफाई करता है और शरीर को हाईड्रेट रखता है। अब तक तो आप जलजीरा के फायदों को जानकर उसे पीने का मन बना ही चुके होंगे। अगर ऐसा ही है तो बाजार से जलजीरा का पैकेट लेने न निकल जाए बल्कि घर पर जलजीरा बनाएं, ताकि वो हेल्दी हो।

लंच करने के बाद न करें ये गलतियां

क्या आप एक भारी लंच करने के बाद तुरंत टहलने के लिए निकल जाते हैं? हो सकता है आप न जाते हों लेकिन आप जैसे बहुत से लोग ऐसा रोज करते हैं। यह एक बहुत ही हानिकारक आदत है जिसे तुरंत रोक देनी चाहिए।

एक्सपर्ट के मुताबिक हमारा पाचन तंत्र इतना मजबूत है कि आप लंच में चाहे जो कुछ भी उल्टा सीधा क्यूं ना खा लें, वह सब कुछ हजम कर लेगा।

हमारा पेट खाने को अच्छी तरह से हजम कर के सारे जरुरी पोषण हमें एनर्जी के तौर पर देता है। पर उसी समय हमारे पेट का सिस्टम थोड़ा संवेदनशील भी है और वह उस वक्त ठीक से कार्य नहीं कर पाता जब आप उसे तकलीफ देते हैं। इसलिए दोपहर में लंच करने के बाद 15-20 मिनट तक आराम करना जरुरी बताया गया है।

आइए जानते हैं कि लंच के बाद कई लोग क्या क्या गलतियां करते हैं , जिससे उनके हाजमें पर बुरा असर पड़ता है।

धूम्रपान करना

लंच करने के बाद शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है। पर जब उसके बाद आप धूम्रपान करते हैं उसका धूंआ आराम से आपके शरीर में घुस कर फेफड़ों और किडनियों को नुकसान पहुंचाता है।

वॉक पर जाना

लंच करने के सीधे बाद वॉक पर जाने से खाने का पोषण शरीर में अच्छी तहर से नहीं समा पाता।

ड्राइविंग

खाने को पचाने के लिए बहुत सारे खून की आवश्यकता पड़ती है, जिसमें दिमाग सहायता करता है। पर अगर आप खाने के बाद ड्राइविंग करने पर अपना पूरा ध्यान लगा देगें तो आपके भोजन को पचाने के लिये दिमाग वो काम नहीं कर पाएगा।

सोना

खाने के बाद सोने से कई पाचन संबन्धित बीमारियां हो सकती हैं। इससे आपको गैस की भी समस्या हो सकती है।

लंच के बाद क्या नहीं करना चाहिए

दांतों को ब्रश करना

लंच करने के बाद ब्रश बिल्कुल नहीं करना चाहिए। अगर आपने कोई सिट्रस वाला आहार खाया है तो दांतों को ब्रश करने से दांतों की परत तुरंत उतर जाएगी, जिसे हम इनेमल कहते हैं।

बहुत ज्यादा पानी पीना

अगर आप खाना खाने के बाद बहुत ज्यादा पानी पीते हैं तो इससे आपका पाचन तंत्र प्रभावित होता है। इससे पेट की कई बीमारियां भी हो सकती हैं।

पसीने व उसकी बदबू से छुटकारा पाने के उपाय...

गर्मियां का मौसम आते ही पसीने की समस्या हो जाना आम बात है। मामूली स्वेटिंग तो फिर भी ठीक है, लेकिन कुछ लोगों को बहुत ज्यादा पसीना आता है। इससे वो बहुत ज्यादा ही परेशान रहते हैं। कुछ टाइम के बाद पसीने की बदबू सिर्फ बॉडी ही नहीं, बल्कि बालों से भी आने लगती है। इसके लिए न जाने कितने ही तरह के डियोड्रेंट, परफ्यूम इस्तेमाल करते हैं जो कुछ देर के लिए पसीने की बदबू को रोकते हैं, लेकिन समस्या जैसी की तैसी ही बनी रहती है। हम आपको कुछ आसान तरीके बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर पसीने की समस्या दूर की जा सकती है।

कैसे करें बचाव

पसीने को रोक पाना तो बहुत ही मुश्किल है। लेकिन कुछ आसान से टिप्स अपनाकर अधिक पसीना निकलने की समस्या को जरूर कम किया जा सकता है।

- एंटी-बैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें। जितनी बार नहाएं उतनी बार इसका प्रयोग करें। नहाने के पानी में यूडी कोलन की कुछ बूंदें डालना भी फायदेमंद होता है।
- पसीने की वजह से पैरों में फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। इससे बचने के लिए उंगलियों के बीच एंटी फंगल पाउडर छिडकने के बाद ही मोजे और जूते पहनें।
- इस मौसम में कुछ लोग मोजे पहनना छोड़ देते हैं। ऐसा करना ठीक नहीं, इससे पैरों में एलर्जी हो सकती है।
- तलवों से अधिक पसीना निकलता हो तो इससे बचने के लिए नहाने से पहले, पानी से भरे टब में दो चम्मच फिटकरी पाउडर डालकर उसमें दो मिनट तक पैरों को डुबोकर रखना चाहिए।
- इस मौसम में बगल से सबसे ज्यादा पसीने की प्रॉब्लम होती है। तो बाहर निकलने से पहले कुछ मिनटों तक शरीर के इस हिस्से पर बर्फ रखना फायदेमंद होता है। इससे ज्यादा पसीना नहीं निकलता।
- शर्ट के बगल वाले हिस्से को पसीने के निशान से बचाने के लिए स्वेट पैड्स का इस्तेमाल करना चाहिए।
- डियो, स्प्रे के बजाय रोलॉन या टेलकम पाउडर का इस्तेमाल ज्यादा अच्छा रहता है, लेकिन इसके ज्यादा प्रयोग करने से बचें क्योंकि ये स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- पसीने की अधिकता से सिर की त्वचा में दाने निकल आते हैं जिसे दूर करने के लिए माइल्ड शैंपू बहुत ही कारगर होता है।
- हमेशा खुश रहने की कोशिश करें, क्योंकि कई बार ज्यादा पसीना निकलने का कारण तनाव और गुस्सा भी होता है।
- अधिक पसीने की समस्या से बचने के लिए अमोनियम क्लोराइड से बने कुछ ऐसे लोशन और स्प्रे आते हैं, जो स्वेट ग्लैंड्स के पोर्स को ब्लॉक कर देते हैं।
- बगल से ज्यादा पसीना निकलने से परेशान हैं तो लेजर ट्रीटमेंट इसका बेहतर उपचार है जो इससे राहत दिलाता है।
- आइनोटोफोरिसिस ट्रीटमेंट एक ऐसी नई तकनीक है जिसमें टब में भरे पानी को एक यंत्र के जरिए चार्ज कर उसके पॉजिटिव और नेगेटिव आयन्स को एक्टिव किया जाता है। फिर इसमें कुछ समय के लिए हाथों और पैरों को डुबाया जाता है। इससे स्वेट ग्लैंड्स की एक्टिविटी धीमी हो जाती है।

गर्दन दर्द से पाना हो छुटकारा तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

यदि आपकी गर्दन में दर्द हो तो इसको कभी हलके में नहीं लेना चाहिए क्योंकि इससे कई लक्षणों का पता चलता है। गर्दन में दर्द की समस्या से ना तो आप ठीक से उठ-बैठ सकते हैं और ना ही रोज मर्रा के काम कर सकते हैं। कई लोगों को सिर को दाएं-बाएं घुमाने पर अकडन और दर्द के साथ कडकड़ाहट की आवाज भी सुनाई देती है। गर्दन में लगातार दर्द रहने पर अति शीघ्र चिकित्सक को दिखाना चाहिए। चिकित्सकीय परीक्षणों के बाद ही यह तय हो पाता है कि दर्द किस कारण हो रहा है। अगर दर्द होने का कारण कोई गंभीर बीमारी न होकर सामान्य है तो उसे व्यायाम योगासनों एवं घरेलू उपचारों से भी ठीक किया जा सकता है।

आइस पैक लगाएं

गरदन की दर्द में आइस पैक काफी लाभ पहुंचाता है। आप चाहें तो बरफ के टुकड़े को कपड़े में बांध कर दर्द पर रख सकते हैं। इससे दर्द में काफी आराम मिलेगा।

अदरक का पेस्ट

यह एक दर्द निवारक दवा के रूप में काम करती है। अगर आप अदरक पावडर को पानी में मिला कर पिएं या फिर इसे घिस कर गरम पानी में मिला कर पेस्ट बना कर गरदन पर लगाएं तो राहत मिलेगी।

गर्म सिकाई

जब चोट की सिकाई होती है तो खून का दौरा उस जगह पर तेज हो जाता है जिससे चोट जल्दी ठीक हो जाती है।

मसाज

मसाज किसी भी दर्द को ठीक कर सकता है। मसाज से आप आराम से अच्छी नींद सो सकते हैं। पर चोट को तेजी से नहीं मलना चाहिये नहीं तो वहां पर और ज्यादा दर्द पैदा हो सकता है।

सही मुद्रा बना कर रखें

शरीर की सही मुद्रा बना कर रखने से भी गरदन का दर्द ठीक करने में सहायता मिलती है। अपने शरीर को एक दीवार पर सटा कर खड़ा कीजिए अपनी पीठ और बुटक को दीवार से लगाइए और ठुड्डी को बिल्कुल सीधे रखिए। बस इसी मुद्रा में सारे दिन रहिए।

गरम पानी से स्नान

गरम पानी के शॉवर के नीचे कुछ देर खड़े रहें। जैसे की गरम पानी आपकी गरदन पर गिरेगा, कुछ ही देर में आपको असर दिखाई देगा।

हींग एवं कपूर

हींग एवं कपूर समान मात्रा में लेकर सरसों तेल में फेंटकर क्रीम की तरह बना लें। इस पेस्ट को गर्दन में लगाकर हल्के हाथों में मालिश करने पर दर्द आराम हो जाता है।

जान सकेंगे शादी के बाद की जिंदगी कैसे जिएं?

वैडिंग कोचिंग से हल होंगी परेशानियां

शादी का नाम सुनकर जहां दिल में गुदगुदी होती है, वहीं नए रिश्ते की शुरुआत के बारे में सोच कर मन आशंकाओं के समुद्र में गोते खाता रहता है। युवतियों के मन में अनेक सवाल जैसे शादी के बाद ससुराल में जींस पहनने देंगे या नहीं, पहली बार कौन सी डिश पकवाएंगे, पति को जाने मेरी किस बात का बुरा लग जाए, मायके ज्यादा आने देंगे कि नहीं, सासू मां का स्वभाव कैसा होगा, नौकरी करने देंगे या नहीं... आदि जहां परेशान करते हैं, वहीं निजी समस्याओं का भी डर सताता है, परंतु इन बातों का समाधान कहीं से नहीं मिलता। कौन समझे मन की बातें घर में दादी-नानी, मां, दीदी और भाभी की नसीहतें सुन-सुन कर दिल कई बार डरता है। सहेलियां हमउम्र होने के कारण उसकी परेशानियों को सुनकर भी कोई राय नहीं दे पातीं। ऐसे में आजकल वैडिंग कोचिंग का प्रचलन बढ़ता जा रहा है, कोचिंग में जाकर शादी से पहले हम खुद को मानसिक तौर पर तैयार कर लेते हैं।

मिल जाते हैं सवालों के जवाब

विवाह से पहले ही रिश्तों और उनकी मर्यादाओं के साथ अन्य पहलुओं को भी समझ लिया जाए तो विवाह में बिखराव और अलगाव की नौबत नहीं आती। इसके लिए घर की किसी बुजुर्ग महिला की नसीहतों के अलावा दुल्हन के लिए वैडिंग कोचिंग बढ़िया रहती है, जहां उसे पति-पत्नी के संबंधों से ताल्लुक रखने वाले छोटे से छोटे सवालों के जवाब काउंसिलिंग में मिल जाते हैं। क्या है वैडिंग कोचिंग विदेशों की तर्ज पर अब महानगरों में भी वैडिंग स्ट्रेस कोचिंग सेंटर खुलने लगे हैं, जिससे विवाह के बाद ही नहीं, विवाह से पहले भी एक-दूसरे की पसंद-नापसंद, इच्छा-अनिच्छा आदि को समझने में आसानी हो। दोनों एक-दूसरे की जरूरतें समझने के साथ फैमिली प्लानिंग पर भी विचार कर सकें। सिर्फ 2-3 सिटिंग ही इसके लिए काफी हैं।

मानसिक तौर पर खुद को करें तैयार

मैरिज काउंसलर की मानें तो आज की पीढ़ी में पहले की तुलना में समर्पण, धैर्य और त्याग जैसी भावनाएं काफी कम होने लगी हैं, सो ऐसी कोचिंग उन्हें एक-दूसरे को समझने में मदद करती है। कामकाजी दुल्हनों को कई बार एकल परिवार के ही दायित्व निभाने में भी दिक्कत आती है। पति के साथ अहं का टकराव होने से भी वैवाहिक जीवन को संभाल पाना कठिन हो जाता है। सफल वैवाहिक रिश्ते के लिए युगल स्वयं को मानसिक स्तर पर पहले तैयार करें। विवाह से पहले घर बसाने के लिए व्यावहारिक बातों की शिक्षा परिवार के बुजुर्गों द्वारा जरूर दी जाती है, लेकिन उसमें भी अहम बातें छूट जाती हैं। प्री-मैरिटल काउंसिलिंग में विवाह योग्य लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे के विचारों से सामंजस्य बैठाना सिखाया जाता है।

स्किन से जुड़ी प्रॉब्लम्स को दूर करती है, सुपारी

अक्सर देखा गया है कि सुपारी का इस्तेमाल ज्यादातर पूजा में किया जाता है। यह गर्ण तासीर की होती है। इसे जलाकर उसकी राख को दांतों को साफ किया जाता है और दांत चमकीले होते हैं। सुपारी बड़ी और छोटी होती है। आज हम आपको इसे इस्तेमाल करने पर होने वाले लाभ के बारे में बताएगें।

- अगर आपके मसूड़ों से खून है तो सुपारी लेकर उसका मोटा कूटकर काढ़ा बना लें। इस काढ़े से रोज कुल्ला करने पर मसूड़ों से खून आना बंद हो जाता है।
- अगर आपको बहुत ज्यादा यूरिन की समस्या हो रहा है तो ऐसे में सुपारी का पाउडर लेकर 1 या 2 ग्राम गाय के घी के साथ इस्तेमाल करें।
- हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सुपारी में मौजूद टैनिन बहुत ही उपयोगी होती है।
- इसका अधिक प्रयोग रक्तभार को कम करता है तथा चक्कर आने लगता है।
- सुपारी का इस्तेमाल दांतों की सड़न को रोकने के लिए मंजन के रूप में किया जाता है क्योंकि इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं।
- अगर आपके दांतों में कीड़ा लगा है तो सुपारी को जलाकर उसका पाउडर बना लें और इससे रोजाना ब्रश करें।
- अगर आपको कही चोट लगने से घाव हो गया हो और खून बह रहा है तो ऐसे में इसका बारीक पाउडर लगाने से खून बहना बंद हो जाता है।
- जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है और उसका मुंह सूखे तो वह एक सुपारी का टुकड़ा मुंह में रख लें। ऐसी करने से मुंह बार-बार नही सूखेगा।
- दाद, खाज, खुजली और चकत्ते होने पर सुपारी को पानी के साथ घिसकर लेप करने से फायदा होता है। बहुत ज्यादा खुजली होने पर सुपारी की राख को तिल के तेल में मिलाकर लगाने से लाभ होता है।

रेसिपी

चटपटा दहीवाला ब्रेड

सामग्री

5 ब्रेड के स्लाईस , टुकड़ों के कटे हुए, 1/2 कप दही, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून जीरा,1/4 टी-स्पून हींग, 3से 4 3 से 4 कड़ीपत्ते, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 1/4 कप पतले स्लाईस्ड प्याज़,2 टेबल-स्पून तेल

सजाने के लिए

2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

दही, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक को 2 टेबल-स्पून पानी के साथ एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। ब्रेड के टुकड़े डालकर ब्रेड के दही से कोट होने तक मिला लें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग, कड़ीपत्ते और अदरक डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। प्याज के स्लाईस डालकर हलका भुरा होने तक भुन लें। ब्रेड का मिश्रण डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, धिमी आंच पर ब्रेड के सुनहरा होने तक भुन लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मल्टीग्रेन रोटी

सामग्री

1/4 कप रागी का आटा, 1/4 कप बाजरा का आटा, 1/4 कप जोवार का आटा,2 टेबल-स्पून बेसन, 1/4 कप गेहूं का आटा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर,1 टी-स्पून मिर्च पाउडर,1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च,1/4 कप बारीक कटा हुआ टमाटर,3 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक , स्वाद अनुसार,1 1/4 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए

परोसने के लिए

लो फॅट दही

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बर्तन में मिलाकर पर्याप्त पानी की सहायता से नरम आटा गूंधिए। आटे को 6 बराबर भागों में बांटिए और 1 भाग को 2 प्लास्टिक के बीच में रखकर व्यास के आकार की रोटी बेलिए। एक नॉन-स्टिक तवे को गरम करके, उस पर रोटी रखकर, 1/2 टी-स्पून तेल की मदद से, रोटी को दोनो तरफ से सुनहरा होने तक सेक लिजिए। बचे हुए भागों से 5 और रोटीयां बनाए। लो-फैट दही के साथ तुरंत परोसिए।

जिज्ञासा

घड़ी बाएं हाथ पर ही क्यों बांधते हैं?

बच्चो, दुनियाभर में अधिकांश लोग अपनी कलाई पर घड़ी बांधते हैं। अधिकतर पुरुष बाएं हाथ यानी लेफ्ट हैंड पर ही घड़ी बांधते हैं, जबकि बहुत कम पुरुष सीधे हाथ में घड़ी बांधते हैं। वहीं महिलाएं सीधे हाथ पर घड़ी बांधना अधिक पसंद करती हैं।

हालांकि यह परंपरा किसी धर्म से संबंधित नहीं फिर भी यह काफी प्रचलित है। क्या आप जानते हैं आखिर इसकी क्या वजह है कि पुरुष लेफ्ट हैंड की कलाई पर ही घड़ी क्यों बांधते हैं। इसके पीछे का तर्क यह है कि हम अधिकांश कार्य सीधे हाथ से ही करते हैं (लेफ्ट हैंडेड को छोड़कर)। इन कार्यों में हर प्रकार का कार्य शामिल है। कुछ भारी कार्य होते हैं, तो कुछ जोखिम भरे, तो कुछ कार्य झटके वाले होते हैं। यदि ऐसे में सीधे हाथ में घड़ी बांधी जाए और इस प्रकार के कार्य किए जाते हैं तो निश्चित ही घड़ी खराब हो जाएगी। यदि कोई व्यक्ति लेखन आदि कार्य भी सीधे हाथ से करता है तब भी सीधे हाथ में घड़ी बांधना काफी परेशानियों भरा ही होगा। बाएं हाथ में घड़ी हमेशा सुरक्षित रहती है और हर परिस्थिति में समय देखने के लिए सुविधाजनक है।

हिंदू धर्म में अधिकांश कार्य सीधे हाथ से ही करने का विधान है। पूजादि कार्यों में भी सीधा हाथ ही उपयोग किया जाता है। ऐसे में पूजनकर्म में घड़ी से किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो इस वजह से भी घड़ी सीधे हाथ में ही पहनना पसंद किया जाता है। इसलिए हम कह सकते हैं कि अपनी सुविधा के कारण भी और सुरक्षा के लिहाज से भी ऐसा किया जाता है।

चिड़ियाघर की सैर

बच्चो, आज आप भले ही कमरे में बैठकर कंप्यूटर पर तरह-तरह के एनीमेटिड जानवरों के कैरेक्टरों के साथ वीडियो गेम खेल लेते हैं। या फिर टीवी पर सीधे डिस्कवरी लगाकर जानवरों को देख सकते हैं। पर अगर इन जानवरों को सचमुच में देखने का मौका मिल जाए, तो कितना मजा आए! आपको बता दें कि आज से एक-दो दशक पहले जब खेलने के लिए आज जितने गैजेट्स नहीं थे, तब बच्चों के मनोरंजन के लिए एकमात्र साधन चिड़ियाघर हुआ करते थे, जिनमें तरह-तरह के जानवर, पक्षी व दूसरे जीव होते थे। बच्चे वास्तव के इन जीवों को देखकर बहुत खुश होते थे। आज भी अगर आपको टीवी में दिखने वाले असली जानवर कहीं देखने को मिल जाएं, तो आपको खुशी जरूर होगी। पर क्या आपने कभी यह सोचा है कि चिड़ियाघर बनाने का आइडिया आखिर कैसे आया होगा? आपको एक पते की और बात बता दें कि किसी भी चीज के बारे सोचते समय या उसे सझते समय हमें हर बार इस बात पर बल

देना होगा कि आखिर यह आइडिया किसका होगा। यहीं से सभी तरफ यात्रा शुरू होती है। यहीं से आपके दिमाग के रास्ते खुलते हैं। यहीं से जानने की इच्छा पैदा होती है। आप जानना चाहते हैं, तबी तो आगे के बारे में सोचेंगे। तभी तो आपको आगे की कहानी का पता चलेगा। इसलिए आपका पहला सवाल यही होना चाहिए कि आखिर आइडिया किसका रहा होगा?

आइए आज आपको चिड़ियाघरों की सैर के साथ-साथ इनके अस्तित्व में आने के बारे में बताएं-

चिड़ियाघर : यह एक ऐसी जगह या पार्क होती है जहां पशुओं, पक्षियों और अन्य जानवरों को प्रदर्शन के लिए रखा जाता है। इन जानवरों की विशेष तौर पर देखभाल की जाती है। सबसे पहले आपको बता दें कि सन 1828 में लंदन जू की स्थापना की गई थी। शुरू-शुरू में इसे चिड़ियाघर या जीवविज्ञान उद्यान कहा जाता था, जो लंदन के प्राणी विज्ञान सोसाइटी के उद्यान और चिड़ियाघर का संक्षिप्त रूप है। एक और बात 'जू' शब्द को लिखित रूप में इस्तेमाल 1847 के आस-पास सबसे पहले ब्रिटेन में हुआ। इसका इस्तेमाल क्लिफटॉन जू के लिए किया गया। उस समय यह उतना लोकप्रिय नहीं था, लेकिन कुछ साल बाद संगीत कलाकार अल्फ्रेड वेंस द्वारा 'वाकिंग इन द जू ऑन संडे' गीत में संक्षिप्त रूप काफी लोकप्रिय हुआ। वाशिंगटन डीसी और न्यूयॉर्क के ब्रॉन्क्स में 'प्राणि उद्यान' शब्द का इस्तेमाल अधिक प्रशस्त सुविधाओं के लिए किया जाता था, जिसे क्रमश: 1891 में और 1899 में खोला गया था।

चिड़ियाघर के लिए अपेक्षाकृत आधुनिक शब्द 'संरक्षण पार्क' या 'बायोपार्क' को बीसवीं सदी के अंत में गढ़ा गया। कुछ चिड़ियाघर विशेषज्ञों द्वारा नए नाम को ग्रहण करना एक रणनीति थी, जिसके तहत उन्होंने चिड़ियाघरों की उन्नीसवीं सदी की पारम्परिक अवधारणा को समाप्त किया। सन 1980 के दशक के अंत में 'बायोपार्क' श द को वाशिंगटन डीसी के नैशनल जू द्वारा गढ़ा और विकसित किया गया। सन 1993 में न्यूयॉर्क जूलोजिकल सोसाइटी ने अपना नाम बदलकर वाइल्डलाइफ कंजरवेटिव सोसाइटी किया और अपने अधिकार-क्षेत्र के तहत चिड़ियाघर को 'वाइल्डलाइफ कंजरवेशन पार्क' के रूप में पुन: चिन्हित किया।

इतिहास

प्राचीन दुनिया: पशुशाला, प्राणी उद्यान का पूर्ववर्ती चरण है, जिसका प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक लंबा इतिहास है। सन 2009 में मिस्र के हिएराकोनपोलिस में खुदाई के दौरान प्राचीनतम ज्ञात प्राणि संग्रह का पता चला है। उस प्राणी संग्रह का समय लगभग 3500 पूर्व ईस्वी था। इसमें असाधारण जानवरों में दरियाई घोड़ा, हर्टेबिस्ट, हाथी, लंगूर और जंगली बिल्ली शामिल थे। ईसा से पूर्व दूसरी शताब्दी में चीनी महारानी टांकी ने एक 'हिरण का घर' बनवाया था और झोउ के राजा वेन ने एक 1,500 एकड़ का प्राणी उद्यान रखा था, जिसे लिंग-यू या गार्डेन ऑफ इंटेलिजेंस कहा जाता था। अन्य जानवरों के संग्रह करने वाले प्रसिद्ध व्यक्तियों में इस्राइल और जेडाह साम्राज्य के राजा सोलोमान, असीरिया के राजा सेमीरामी और अशुरबानीपल और बेबीलोनिया के राजा नेबूचद्रेजर शामिल हैं। चौथी सदर पूर्व ईसवी तक ग्रीस के अधिकांश शहरों में पशु उद्यान अस्तित्व में थे। महान सिकंदर को अपने सैन्य अभियान में पाए गए पशुओं को ग्रीस में वापस भेजने के लिए जाना जाता है। रोमन सम्राटों ने अध्ययन या अखाड़े में इस्तेमाल के लिए जानवरों के निजी संग्रह को रखा, जिसमें से बाद वाला उपयोग कुख्यात रहा। 19वीं सदी के इतिहासकार डब्ल्यूईएच लेकी ने रोमन खेल के बारे में लिखा, जिसे सबसे पहले 366 पूर्व ईसवी में में आयोजित किया गया। इसी तरह बहुत से शासकों ने अपने सिक्कों पर जानवरों के चित्र भी दिए। ये चित्र चाहे कुछेक मान्यताओं को लेकर भी दिए गए थे, लेकिन इनसे उनके जानवर प्रेम की भावना का भी पता चलता था।

मध्यकालीन इंग्लैंड

इंग्लैंड के हेनरी प्रथम के पास अपने महल वूडस्टॉक में जानवरों का संग्रह था, जिसमें कथित तौर पर शेर, तेंदुएं और ऊंट शामिल थे। मध्ययुगीन इंग्लैंड में सबसे प्रमुख संग्रह टॉवर ऑफ लंदन में था, जिसे राजा जॉन प्रथम द्वारा 1204 के प्रारम्भ में निर्मित किया गया था। सन 1235 में पवित्र रोमन साम्राज्य प्रेडरिक द्वितीय की तरफ से हेनरी तीसरे को शादी के उपहार के रूप में तीन तेंदुएं मिले थे और 1264 में जानवरों को टॉवर के मुख्य द्वार के करीब बुलवार्क में स्थानांतरित किया गया। उसके नाम को परिवर्तित कर लायन टावर रखा गया। 16वीं सदी में एलिजाबेथ के शासनकाल के दौरान इसे सार्वजनिक रूप से खोल दिया गया। 18वीं शताब्दी के दौरान इसमें प्रवेश की कीमत साढ़े तीन पेंस रखी गई या शेर के भोजन के लिए एक बिल्ली या कुत्ता लेजाना पड़ता था।

आधुनिक युग

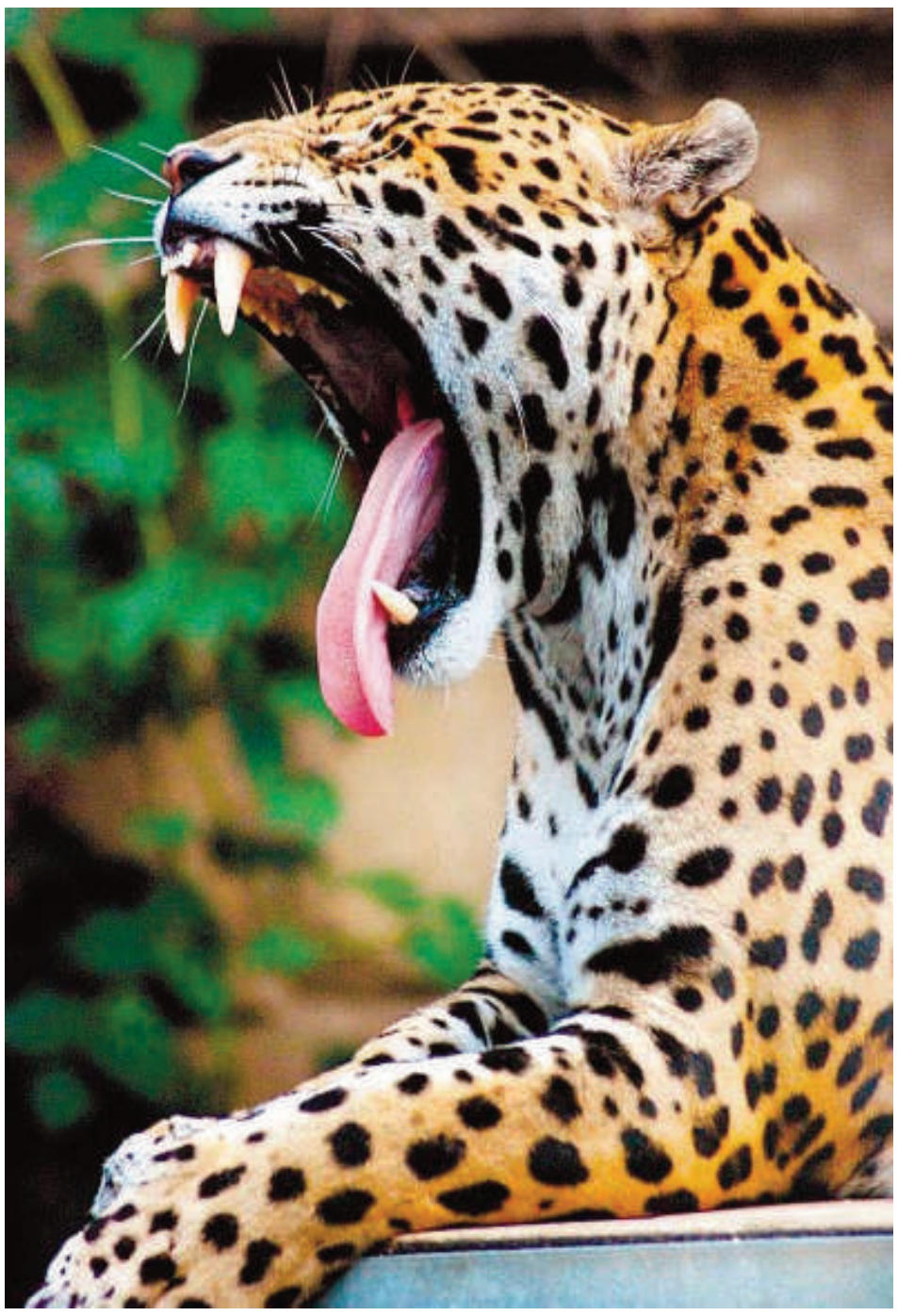

अस्ट्रिया में वियाना चिड़ियाघर सबसे पुराना मौजूदा चिड़ियाघर है, जिसका विकास वियाना में स्कोनब्रून पैलेस एक राजशाही पशुशाला से हुआ। यह एक भव्य पशु शाला थी, जिसकी स्थापना 1752 में हब्सबर्ग शासन द्वारा की गई और 1765 में इसे सार्वजनिक किया गया। सन 1775 में मेड्रिड में एक चिड़ियाघर को स्थापित किया गया था। सन 1795 में जेक्सहेनरी बर्नारडिन द्वारा पेरिस के जर्डिन डेस प्लानटेस के भीतर शाही पशुशाला के जानवरों के साथ एक चिड़ियाघर की स्थापना की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान और शिक्षा था। रशिया में सबसे पहले कजान चिड़ियाघर की स्थापना 1806 में कजान राज्य विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कार्ल फुक्स द्वारा की गई। सन 1826 में स्टैमफोर्ड रफेल्स द्वारा जूलॉजिकल सोसायटी ऑफ लंदन की स्थापना की गई। ऑस्ट्रेलिया में प्रथम प्राणि उद्यान मेलबोर्न चिड़ियाघर था, जिसे 1860 में खोला गया। इसी वर्ष एक सेंट्रल पार्क चिड़ियाघर को न्यूयॉर्क में खोला गया जो संयुक्त राज्य अमरीका का पहला सार्वजनिक चिड़ियाघर था।

सन 1970 के दशक के बाद चिड़ियाघरों ने जानवरों से करवाए जाते शो बंद कर दिए। अब वे संरक्षण के मुद्दों पर जोर देना चाहते थे। वे मानते थे कि प्रशिक्षकों ने जानवरों से प्रदर्शन करवाने के लिए संभवत: बुरा व्यवहार किया।

देखा आपने कि किस तरह से लोग जानवरों के प्यार करते हैं और आप हैरान होंगे कि जानवर भी उस प्यार का जवाब प्यार से ही देते हैं। आपने चिड़ियाघर में जाकर जरूर ऐसा महसूस किया होगा या अगर जाएंगे, तो ऐसा ही महसूस करेंगे। एक बात और है कि आपने किसी भी चिड़ियाघर में जाना हो तो वहां किसी भी जानवर को सताना नहीं है। इसलिए आज से ही तैयार हो जाएं। आजकल कई तरह के चिड़ियाघर हैं और इन्हें थीम पार्क के नाम से भी जाना जाने लगा है। अगर आपने प्राकृतिक जीवन का असली मज़ा लेना है, तो घरों से निकलकर ऐसे पार्कों की सैर जरूर करनी चाहिए। अब तो गर्मियों की छुट्टियां भी होने वाली हैं, तो इन्हीं छुट्टियों में कोई योजना बना लीजिए।

राक्षस का लड़का

एक थी राजकुमारी। नाम था सोनबाई। उसके एक भाई था। भाई-बहन रोज तालाब के किनारे खेलने जाते थे। वहां बहुत-से मोर रहते थे। सोनबाई को मोर बहुत प्यारे लगते थे। वह सारा दिन मोरों के साथ ही खेला करती थी। दो बार भोजन के लिए घर जाती थी। सोनबाई मोरों को रोज नहलाती धुलाती, खिलाती, पिलाती और उनके साथ मौज करती। मोर सोनबाई के सामने ठुमुक-ठुमुककर नाचते, टीटू-टीटू की ऊंची आवाज़ में बोलते और नाचते-नाचते अपने पंख फैलाकर अपनी नृत्यकला का सुन्दर प्रदर्शन करते। तालाब के अन्दर एक महल में राक्षस का लड़का रहता था। उसने चाहा कि वह सोनबाई के साथ ब्याह करे। परंतु सोनबाई ना मानी।' सोनबाई तो राजा की बेटी थी।

एक दिन सोनबाई मोरों के साथ खेल रही थी। इतने में राक्षस का लड़का भी वहां आ पहुंचा। सोनबाई का भाई और राक्षस का लड़का दोनों जुआ खेलने बैठे। सोनबाई ने भाई को बहुत मना किया, लेकिन भाई माना नहीं। खेलते-खेलते भाई अपने सब कपड़े हार गया, घोड़ा हार गया, तलवार हार गया और अन्त में सोनबाई को भी हार गया।

सोनबाई फूट-फूटकर रोने लगी। भाई भी बहुत पछताने लगा, लेकिन अब वह कर ही क्या सकता था? राक्षस के लड़के ने कहा, 'तुमको मुझसे ब्याह न करना हो तो न करो। मैं इस तालाब में कमल बन जाता हूं। बस, तुम मुझे छू-भर लेना। मैं मान लूंगा कि हमारा ब्याह हो चुका है।' सोनबाई बोली, 'ठीक है।' राक्षस का लड़का पानी में कूदा और कमल का फूल बनकर पानी पर तैरने लगा। सोनबाई उसे छूने चली। पानी टखनों तक पहुंचा, पर कमल को छुआ न जा सका। सोनबाई ने भाई से कहा- 'भैया मेरे, पानी टखनों तक आ पहुंचा है, और कमल का फूल आगे ही आगे जा रहा है।'

भाई बोला, 'बहन, तुम थोड़ी और आगे बढ़ो।'

सोनबाई तो घुटनों तक पानी में गई। कमल का फूल और आगे बढ़ गया। सोनबाई ने फिर भाई से कहा। भाई ने थोड़ा और आगे जाने को कहा। इसी तरह कमर से बाद में पानी गले तक पहुचा, तो उसने फिर भाई से कहा। भाई ने जैसे ही और आगे जाने को कहा, वह पानी में डूब गई। इसी बीच कमल के फूल के बदले वहां राक्षस का लड़का प्रकट हो गया सोनबाई को पानी के नीचे अपने महल में ले गया। महल सुन्दर था, पर सोनबाई को वहां रहना अच्छा नहीं लग रहा था। वह अपने मोरों और भाई को याद करके रोती रही। एक दिन सोनबाई महल की छत पर खड़ी होकर रो रही थी कि उचानक उसे एक आवाज सुनाई दी। सोनबाई पहचान गई कि यह उसके मोर की आवाज थी। उसने सारी बातें उसे कह सुनाईं। मोर ने सोचा-'चलें, हमसब राजा के पास चलें।' उन्होंने राजा को सारी बातें सुनाईं। राजा बोला, 'मेरी सोनबाई को इतने दुख सहने पड़ रहे हैं?' उसने सिपाहियों से कहा, 'जाओ, तालाब के पानी को उलीच डालो, और राक्षस के लड़के को पकड़कर ले आओ।' कुछ ही देर में तालाब का सारा पानी उलीच डाला और राक्षस के लड़के को महल में से पकड़कर राजा के सामने हाज़िर कर दिया। राजा ने राक्षस के लड़के को देश निकाला दे दिया। उसका महल जलवा डाला और सोनबाई को अपने पास बुला लिया। सोनबाई तो अपने मोरों से गले लग-लगकर मिली। बहुत खुश हुई।

बहादुर बब्बर शेर

अगर यह प्रश्न पूछा जाए कि जंगल का राजा कौन है, तो शायद ही कोई ऐसा हो, जिसे मालून न हो कि शेर जंगल का राजा है। बहुत पुराने समय से उसे शक्ति और प्रभुत्व का प्रतीक माना जाता है। भारत ने भी उसे अपने राष्ट्रीय चिन्ह में स्थान दिया है। वह पशुओं में सबसे अधिक रोबीला और बहादुर है। बिल्ली जाति का वह एकमात्र पशु है, जिसके नर की गर्दन दर्शनीय अयाल से सुशोभित रहती है। शेर की शारीरिक गठन, बनावट और आदतें घरेलू बिल्ली के समान होती हैं।

एक समय था, जब शेर बब्बर उत्तरी भारत के अधिकांश मैदानी जंगलों में पाया जाता था, किंतु अब उनकी संख्या काफी कम हो गई है। अपनी निर्भीकता के कारण वह सरलता से मारा गया। भारत में उनके संरक्षण के लिए गिरनार में एक संरक्षित वन बनाया है जहां लगभग दो सौ शेर है।

भारतीय शेर की लंबाई 2.5 मीटर से 2.9 मीटर और वजन 200 से 250 किलोग्राम होता है। वह समाज प्रिय पशु है और झुंड बनाकर रहता है। एक झुंड में दोतीन शेर कुछ शेरनियां और बच्चे होते हैं। वे मिलकर शिकार करते हैं, जिसमें प्रमुख भाग शेरनियां लेती हैं। शिकार पर पहला अधिकार शेर का होता है, शेरनियां व बच्चे बाद में खाते हैं। तीन वर्ष से बड़े शेर अपना नया झुंड बनाते हैं। दिन के समय शेर किसी घनी झाड़ी में सोया रहता है, शाम होते ही उसे भोजन प्राप्त करने की चिंता होती है। प्राय: वह जलाशय को जाने वाले मार्ग के किनारे दुबककर बैठ जाता है।

कितनी चिड़ियां .

प्रश्न- बच्चो, इस चित्र में कई चिड़ियां एक-दूसरे के पीछे छिपने की कोशिश कर रही हैं। देखने में ये बहुत सारी दिखाई दे रही हैं। पर क्या आप इन्हें गिन कर सही-सही यह बता सकते हैं कि असल में यह कितनी हैं?

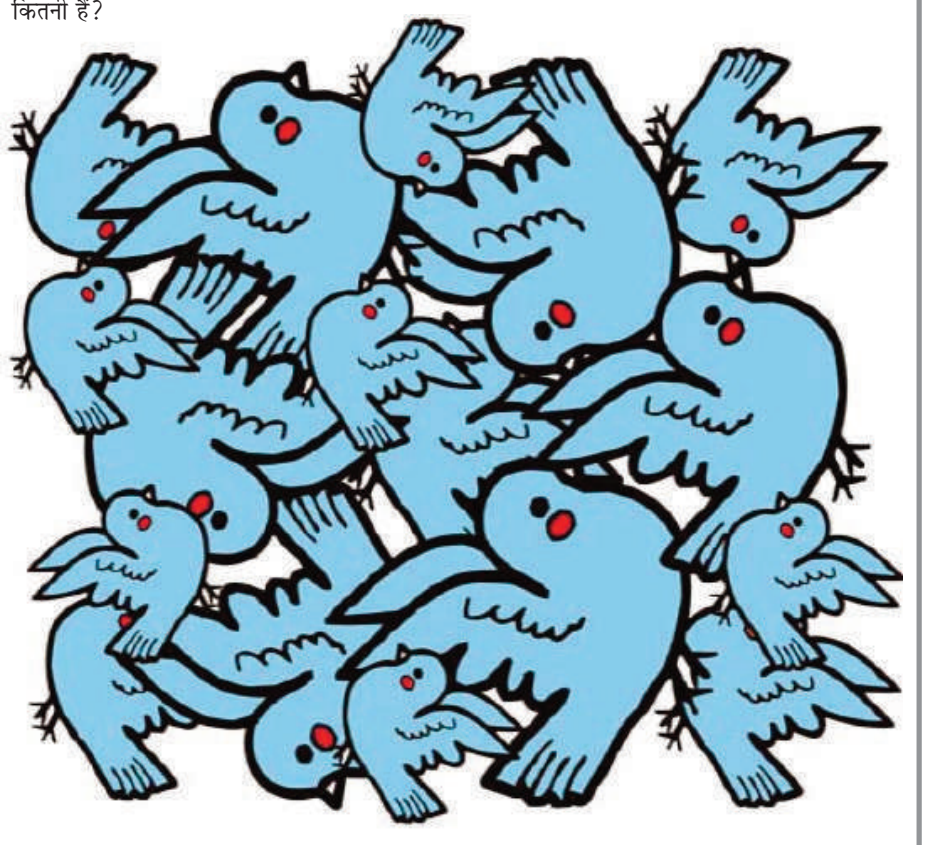

सही जवाब- इस चित्र में कुल 17 चिड़ियां हैं।

हम बताएं, आप बनाएं

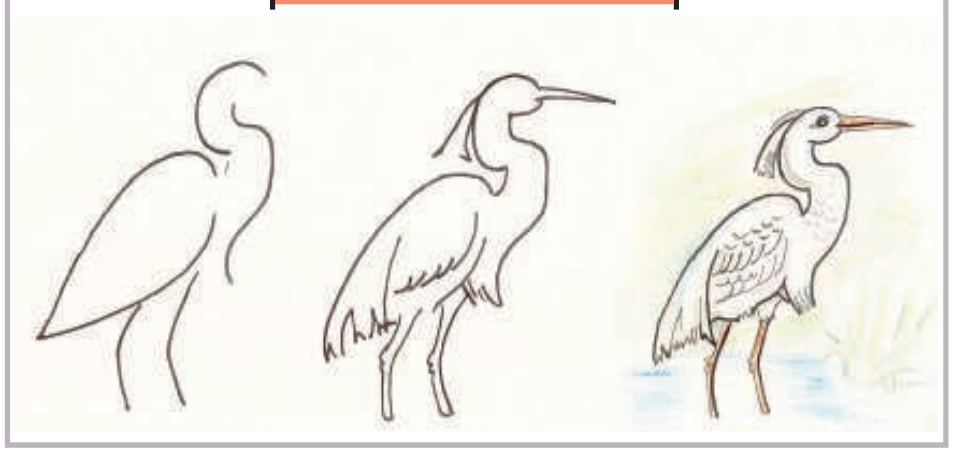

महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 : भारत ने कोरिया को 3-0 से हराकर जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली

भारतीय अंडर-18 महिला हाकी टीम ने शनिवार को जापान के काकामिगाहारा में खेले गए महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 के कांस्य पदक मुकाबले में कोरिया को 3-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की और टूर्नामेंट का समापन कांस्य पदक के साथ किया।

भारत की ओर से संदीपा कुमारी (2वां मिनट), कप्तान स्वीटी कुजूर (16वां मिनट) और नौशीन नाज़ (33वां मिनट) ने गोल दागे। पूरे मुकाबले में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल और मजबूत रक्षापंक्ति का शानदार प्रदर्शन किया।

सेमीफाइनल में चीन के खिलाफ शूटआउट में मिली करीबी हार के बाद भारतीय टीम ने कांस्य पदक मुकाबले में दमदार वापसी की।

मैच शुरू होने के मात्र दो मिनट के भीतर संदीपा कुमारी ने बेहतरीन गोल कर भारत को बढ़त दिला दी।

पहले गोल के बाद भारतीय टीम लगातार आक्रमण करती रही और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। इसका फायदा 16वें मिनट में मिला जब कप्तान स्वीटी कुजूर ने फील्ड गोल कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी।

दूसरे हाफ में भी भारत ने अपना दबदबा बनाए रखा। 33वें मिनट में टूर्नामेंट की शीर्ष गोल स्कोरर नौशीन नाज़ ने शानदार फील्ड गोल कर बढ़त को 3-0 तक पहुंचा दिया।

इस गोल के साथ नौशीन ने पूरे टूर्नामेंट में अपने गोलों की संख्या 12 कर ली और शीर्ष स्कोरर के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली।

रक्षापंक्ति में भी भारतीय टीम ने अनुशासित प्रदर्शन किया और कोरिया को कोई स्पष्ट मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ियों ने क्लीन शीट बनाए रखते हुए मुकाबला आसानी से अपने नाम कर लिया।

शानदार प्रदर्शन और शुरुआती गोल करने वाली संदीपा कुमारी को प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 में भारतीय टीम ने कुल 36 गोल दागते हुए अपनी आक्रामक क्षमता, मजबूत रक्षा और भविष्य की संभावनाओं की शानदार झलक दिखाई।

वहीं, महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 का फाइनल शनिवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे चीन और मेजबान जापान के बीच खेला जाएगा।

दूसरी ओर, भारतीय अंडर-18 पुरुष हाकी टीम भी शनिवार को भारतीय समयानुसार शाम 3:30 बजे जापान अंडर-18 टीम के खिलाफ फाइनल मुकाबले में उतरेगी।

न्यूज ब्रीफ

ताजिकिस्तान से पहला मैत्री फुटबाल मैच हारा भारत, ब्लू टाइगर्स को 1-3 से मिली हार

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबाल टीम को शुक्रवार रात तुर्सुनजोडा के टालको एरिना में खेले गए अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में ताजिकिस्तान के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत लगातार तीसरा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच गंवा बैठा। मुकाबले की शुरुआत से ही ताजिकिस्तान ने आक्रामक खेल दिखाया और नौवें मिनट में शरीद्दीन बोबोएव ने पेनाल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। भारतीय टीम पहले हाफ में ताजिकिस्तान की संगठित रक्षापंक्ति को भेदने में सफल नहीं हो सकी और मध्यांतर तक 0-1 से पीछे रही। दूसरे हाफ में भारत ने बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश की, लेकिन ताजिकिस्तान ने खेल पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। 61वें मिनट में मेखरुबोन करीमोव ने गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके छह मिनट बाद एहसन पंजशानबे ने तीसरा गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। भारत की ओर से मुकाबले के 88वें मिनट में फरुख चौधरी ने शानदार गोल कर अंतर कम किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और टीम हार से नहीं बच सकी। भारतीय टीम इस मुकाबले से पहले लंदन में आयोजित यूनिटी कप में भी दो हार झेल चुकी थी, जहां उसे जमैका से 0-2 और जिम्बाब्वे से 0-1 से पराजय मिली थी। यह मुकाबला भारत की आगामी महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं की तैयारियों का हिस्सा था। मुख्य कोच खालिद जमील ने इस मैच का उपयोग टीम संयोजन परखने और खिलाड़ियों को मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अनुभव देने के लिए किया। भारत अब ताजिकिस्तान के खिलाफ दूसरा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबला 9 जून को खेलेगा।

आईपीएल फाइनल की रात माइकल क्लार्क का भीषण सड़क हादसा

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले के बाद जहां रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम

लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का जश्न मना रही थी, वहीं उसी रात कई अप्रत्याशित घटनाएं भी सामने आईं। गुजरात टाइटंस की टीम बस में आग लगने की घटना के बाद अब आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने खुलासा किया है कि वह भी उसी रात एक गंभीर सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए थे। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में उनकी जान बच गई और उन्हें केवल मामूली चोटें आईं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्राफी अपने नाम की थी। मैच के बाद माइकल क्लार्क, जो टूर्नामेंट के आधिकारिक कमेंट्री पैनल का हिस्सा थे, एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान हाईवे पर उनकी कार एक बड़े ट्रेलर ट्रक से टकरा गई। माइकल क्लार्क ने एक क्रिकेट पाडकास्ट में इस दुर्घटना के बारे में विस्तार से बताया। उनके अनुसार हादसा आधी रात के बाद हुआ, जब वह कार की आगे वाली सीट पर बैठे हुए थे और झपकी ले रहे थे। इसी बीच उनकी कार सड़क पर चल रहे एक बड़े सेमी-ट्रेलर ट्रक के पीछे जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और वाहन ट्रक के नीचे तक घुस गया।

अब अफ्रीकी टीमों के लिए कान्टिनेंटल टी20 कप शुरु करेगी एसीए

जोहांसबर्ग । अब आने वाले समय में दक्षिण अफ्रीका में भी एशिया कप की तरह ही अफ्रीकी टीम के बीच एक टी20 टूर्नामेंट खेला जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने कहा है कि उसका लक्ष्य कान्टिनेंटल टी20 कप शुरू करना है जिससे की अफ्रीकी देशों में क्रिकेट को बढ़ावा मिल सके। इससे मिलने वाली राशि से अफ्रीकी देशों में क्रिकेट ढ़ाचा बेहतर बनाया जाएगा। अगले साल के अंत तक इस टूर्नामेंट के शुरु होने की उम्मीदें हैं। इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया सहित कुछ और देश भी खेल सकते हैं। पिछले साल से अफ्रीकी क्रिकेट संघ फिर सक्रिय हुआ है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन तवेंग्वा मुकुहलानी को इस संघ का प्रमुख बनाया गयाह है। यह संघ अभी उन प्रस्तावों पर ध्यान दे रहा है जिससे उसे अच्छा आर्थिक लाभ हो सकता है। ऐसे में साल 2027 से पहले इस टी20 टूर्नामेंट के शुरु होने की संभावना नहीं है।अभी इस टूर्नामेंट के लिए एक आइडियल विंडो के साथ ही क्वालिफिकेशन प्रक्रिया पर बात चल रही है। इसमें सबसे अहम भूमिका दक्षिण अफ्रीका की होगी। सीएसए इसमें अपनी भूमिका निभाने तैयार है पर लेकिन उसे अपने कैलेंडर में जगह चाहिए, ताकि यह तय हो सके कि वह किसी भी प्रस्तावित टूर्नामेंट में अपनी पहली पसंद की टीम भेज सकता है या नहीं हालांकि, दक्षिण अफ्रीका अभी सर्दियों में पांच महीने के ब्रेक पर है, लेकिन वे सितंबर में फिर से खेलना शुरु करेंगे और फरवरी 2027 तक लगातार खेलेंगे।

वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम में चुने गए सबसे युवा क्रिकेटर

15 साल, 71 दिन की उम्र में सिलेक्शन हुआ; श्रेयस टी-20 के नए कप्तान

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम में चुने गए अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। 15 साल, 71 दिन के वैभव को जून-जुलाई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के साथ-साथ सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए चुना गया है। एशियन गेम्स में क्रिकेट के मुकाबले टी-20 फॉर्मेट में ही होते हैं।

श्रेयस अय्यर टी-20 फॉर्मेट में भारत के नए कप्तान बनाए गए हैं। वर्ल्ड कप जीतने वाले सूर्यकुमार यादव से कप्तानी छीन ली गई है। उन्हें टीम से भी बाहर कर दिया गया है। तिलक वर्मा टी-20 टीम के उपकप्तान बनाए गए हैं।

टीम में पहली बार सिलेक्शन होने के दिन सबसे कम उम्र के मामले में वैभव ने शेफाली वर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले शेफाली पुरुष और महिला क्रिकेट मिलाकर भारतीय टीम के लिए चुनी जाने वाली सबसे युवा खिलाड़ी थीं। शेफाली जब पहली बार चुनी गई थीं, तब वह 15 साल, 220 दिन की थीं। वहीं, पुरुष क्रिकेटर्स में यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था। सचिन 16 साल, 194 दिन की उम्र में भारतीय टीम में चुने गए थे।

सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले भारतीय भी बन सकते हैं वैभव

शेफाली ने 15 साल 239 दिन की उम्र में भारत के लिए पहला मैच खेल लिया था। वहीं, सचिन ने 16 साल 205 दिन की उम्र में भारत के लिए डेब्यू किया था। वैभव को अगर इंग्लैंड-आयरलैंड टूर या एशियन गेम्स में एक भी मैच खेलने का मौका मिल जाता है तो वे शेफाली और सचिन दोनों को पीछे छोड़कर भारत के

लिए खेलने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन जाएंगे।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह।

दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी नहीं बनेंगे वैभव

जर्सी की निया चार्लोट ग्रेग सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाली क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2019 में 11 साल, 40 दिन की उम्र में पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला था। उनेक नाम सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। पुरुषों में रोमानिया के मारियन गेरासिम सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले पुरुष क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2020 में 14 साल और 16 दिन की उम्र में पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला था। यानी वैभव दुनिया के सबसे युवा क्रिकेटर नहीं बन सकते।

कोहली की जगह वनडे खेलेंगे जायसवाल

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में विराट कोहली की जगह यशस्वी जायसवाल खेलेंगे। चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ने बताया कि जायसवाल चोटिल कोहली को रिप्लेस करेंगे। विराट कोहली हैमिस्ट्रिंग इंजरी के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं।

देखिए पूरी टीम...

शुभमन गिल (कप्तान), श्रेयस अय्यर, रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, हर्ष दुबे, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, कुलदीप यादव और गुरनूर बरार।

सूर्यवंशी ने इस आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाए

सूर्यवंशी ने खझङ 2026 में सबसे ज्यादा 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप का अवॉर्ड जीता। वैभव ने मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर, सुपर स्ट्राइकर और सबसे ज्यादा छक्के लगाने का अवॉर्ड भी जीता। इस सीजन उन्होंने 36 गेंद पर शतक लगाया था, जबकि तीन बार 90 से 100 के बीच में आउट हुए थे।

श्रेयस ने भारत के लिए अपना आखिरी टी-20 मैच दिसंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेंगलुरु में खेला था। इसके बाद इसी साल जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में उन्हें इंजरी रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किया गया था, लेकिन प्लेइंग-11 में खेलने का मौका नहीं मिला। अब लगभग ढाई साल बाद उनकी नेशनल टीम में वापसी हो रही है।

श्रेयस ने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के लिए 168.81 के स्ट्राइक रेट से 498 रन बनाए। इस सीजन उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खझङ का अपना पहला शतक भी लगाया था। वे साल 2025 में पंजाब को फाइनल तक ले गए थे, जहां उन्होंने 604 रन बनाए थे। इससे पहले उन्होंने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब जिताया था और 2020 में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल में पहुंचाया था।

35 साल के सूर्या का हालिया फॉर्म खराब रहा है। इस वजह से भी उनकी टीम में जगह नहीं बन पाई हैं। उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में 9 पारियों में 136.72 के स्ट्राइक रेट से 242 रन बनाए। इसके अलावा खझङ की 13 पारियों में भी 20.76 की खराब औसत से 270 रन ही बना सके थे। वे सिर्फ 2 बार ही 50 रन के आंकड़े तक पहुंच सके।

वेस्टइंडीज में 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने टी-20 से संन्यास ले लिया था। इसके बाद सूर्यकुमार यादव को भारत की कप्तानी सौंपी गई थी।

सूर्या की कप्तानी में भारत ने इसी साल 8 मार्च को टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। भारत अपने टाइटल को डिफेंड करने और लगातार दो टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीतने वाला दुनिया का पहला देश भी बना।

सूर्या की कप्तानी में भारत ने 52 टी-20 मैच खेले। इसमें 42 जीते, 8 हार और 2 मैच नो रिजल्ट रहा। उनका जीत प्रतिशत 80.76% है। सूर्यकुमार की अगुआई में भारत ने 2026 टी-20 वर्ल्ड कप, 2025 एशिया कप अपने नाम किया था।

इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट

इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग महिला एकल क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान शाट लगाती हुईं।

समर स्पोर्ट्स कैंप 2026 : जस्टिस पी.एस. नारायण ने वितरित किए सर्टिफिकेट और मेडल

हैदराबाद : जस्टिस पी.एस. नारायण ने हैदराबाद के मादीपट्टनम में 'स्पोर्ट्स विलेज' के बैनर तले 'सिल्वर स्टोन स्पोर्ट्स एकेडमी' द्वारा आयोजित समर स्पोर्ट्स कैंप (ग्रीष्मकालीन खेल शिविर) के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने शिविर के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और उत्साहपूर्वक भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पदक और प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट) वितरित कर सम्मानित किया।

इस समर स्पोर्ट्स कैंप में 5 से 17 वर्ष की आयु के लड़कों और लड़कियों ने विभिन्न प्रकार के इनडोर और आउटडोर खेल आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कैंप का उद्देश्य युवा एथलीटों को अपने खेल कौशल, शारीरिक फिटनेस, अनुशासन, टीम वर्क और खेल भावना को विकसित करने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करना था।

समारोह को संबोधित करते हुए, जस्टिस पी.एस. नारायण ने बच्चों और युवाओं में

खेलों को बढ़ावा देने के लिए स्पोर्ट्स विलेज और सिल्वर स्टोन स्पोर्ट्स एकेडमी के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने शिक्षा (अकादमिक) और खेल के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया और प्रतिभागियों को दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समापन पदक और प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ, जिसके बाद मुख्य अतिथि और आयोजकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

यह समर स्पोर्ट्स कैंप बेहद यादगार पलों के साथ समाप्त हुआ, जिसने युवा एथलीटों को पूरे समर्पण और आत्मविश्वास के साथ अपनी खेल यात्रा जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि जस्टिस पी.एस. नारायण, सिल्वर स्टोन स्पोर्ट्स एकेडमी की निदेशक सुश्री ताहा बेगम और स्पोर्ट्स विलेज मल्टीस्पोर्ट के प्रमोटर मोहम्मद शम्सुद्दीन भी उपस्थित रहे।

विश्वकप और एशियाई खेलों में अलग-अलग टीमें उतारेगा हाकी इंडिया

नई दिल्ली

हाकी इंडिया, इस साल होने वाले दो बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों विश्व कप और एशियाई खेलों लिए अलग-अलग टीमें उतारेगा। यह कदम दोनों महत्वपूर्ण आयोजनों के बीच बेहद कम समय अंतराल की चुनौती से निपटने के लिए उठाया जा रहा है, जिसमें स्पष्ट रूप से एशियाई खेलों को अधिक प्राथमिकता मिलने वाली है।

भारतीय टीम को बेल्जियम और नीदरलैंड्स में 15 अगस्त से 30 अगस्त तक चलने वाले पुरुष हाकी विश्व कप के समाप्त होने के ठीक बीस दिन बाद ही 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में एशियाई खेलों में भाग लेना है। इतने कम समय में खिलाड़ियों के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से पुन: तैयार होना, अपनी सर्वश्रेष्ठ फार्म बनाए रखना, और चोटों से बचना एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। यह मानते हुए कि भारतीय हाकी टीम के खिलाड़ियों पर भारी बोझ पड़ेगा जिसको देखते हुए अलग-अलग टीमों को उतारने की रणनीति बनी है।

इस रणनीति के पीछे मुख्य कारण एशियाई खेलों का 2028 ओलंपिक के लिए सीधा क्वालिफिकेशन इवेंट भी है। जिसको लेकर हाकी इंडिया बेहद गंभीर है। उसका मानना है कि एशियाई खेल ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन का एक महत्वपूर्ण जरिया है, इसलिए मुख्य और सबसे मजबूत टीम इसमें उतारी जाएगी। इसका सीधा अर्थ है कि भारत अपनी पूरी ताकत और अनुभव के साथ जापान में उतरेगा, जबकि विश्वकप के लिए एक युवा या मिश्रित टीम भेजी जा सकती है, जिसमें अनुभव और ऊर्जा का संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया जाएगा।पुरुष हाकी विश्व कप में भारतीय टीम को अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ एक ही ग्रुप में रखा गया है। दोनों टीमों के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला 19 अगस्त को निर्धारित है, जिस पर दुनिया भर के हाकी प्रेमियों की निगाहें टिकी होंगी। भारत-पाकिस्तान मैच हमेशा से रोमांच और जुनून से भरा रहा है, और इस बार भी इससे कम की उम्मीद नहीं की जा सकती। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि विश्व कप में उतरने वाली टीम कितनी अनुभवी होगी और क्या वह अपने ग्रुप चरण में पाकिस्तान जैसी मजबूत टीम को टक्कर दे पाएगी।

सेवा नहीं, ईश्वर की कृपा का अवसर हैं जरूरतमंदों की सहायता : सुनीता अग्रवाल

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, समर्पण एवं सेवा भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, श्रमिक, निराश्रित एवं असहाय लोगों को भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानवता के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुनीता अग्रवाल ने कहा कि ''हम जो कार्य कर रहे हैं, उसे केवल सेवा कहना उचित नहीं होगा, क्योंकि यह सब ईश्वर की कृपा और आशीर्वाद से ही संभव हो रहा है। प्रभु ने हमें जो सामर्थ्य, संसाधन और अवसर प्रदान किए हैं, उनका उपयोग जरूरतमंदों की सहायता में करना ही हमारे जीवन का वास्तविक उद्देश्य होना चाहिए। जब किसी भूखे को भोजन मिलता है, किसी जरूरतमंद को सहारा मिलता है और किसी निराश व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान आती है, तब वही क्षण हमारे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि बन जाता है।''

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को केवल आर्थिक विकास की ही नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की भी आवश्यकता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार किसी एक जरूरतमंद की सहायता करने का संकल्प ले ले, तो समाज की अनेक समस्याओं का समाधान स्वतः हो सकता है। सेवा का भाव व्यक्ति को विनम्र बनाता है तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता को मजबूत करता है।

सुनीता अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य केवल भोजन वितरण करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा और परोपकार की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। ग्रुप के सभी सदस्य बिना किसी अपेक्षा के निरंतर समाजहित के कार्यों में जुटे हुए हैं और यही भावना इस संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि सच्ची भक्ति केवल मंदिरों में पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों की सहायता करना भी ईश्वर की आराधना का ही एक स्वरूप है।

इस अवसर पर भगत राम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, पाबुराम पीपावत, मनीष चिंडालिया, सुरेश सिंघल, सोहन लाल दायमा, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता एवं गोपाल गोयल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

अंत में सभी सदस्यों ने समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग की सेवा के लिए निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय की भावना तथा समाज में प्रेम, भाईचारे और मानवता के मूल्यों को मजबूत बनाने के संदेश के साथ हुआ। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित यह नियमित सेवा अभियान समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और मानवता की ज्योति को प्रज्वलित रखने का सराहनीय प्रयास बनता जा रहा है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 20 पौधों का रोपण

विजयवाड़ा, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित तथा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं भाजपा आंध्र प्रदेश अध्यक्ष पी.वी.एन. माधव के आह्वान पर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का आयोजन भाजपा गवर्नरपेट मंडल अध्यक्ष प्रवीण जैन रांका तथा भाजपा गवर्नरपेट मंडल समिति के तत्वावधान में सी.वी.आर. सरकारी हाई स्कूल, विजयवाड़ा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा आंध्र प्रदेश के संगठन महामंत्री एन. मधुकर थे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में भाजपा एनटीआर जिला अध्यक्ष अड्डूरी श्रीराम, भाजपा आंध्र प्रदेश अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंतल सुरेश तथा भाजपा आंध्र प्रदेश के आधिकारिक प्रवक्ता शेख बाजी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर 20 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

वक्ताओं ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम केवल वृक्षारोपण अभियान नहीं, बल्कि मातृ सम्मान, पर्यावरण संरक्षण तथा भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जन-जागरूकता का सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्षों की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया गया। वक्ताओं ने जनकल्याण, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम का समन्वय प्रवीण जैन रांका, पर्यावरण दिवस कार्यक्रम प्रभारी पोतुल सांबसिवराव, रायडू श्रीनिवास एवं वेंकटरमना द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कोल्लपल्ली गणेश, पिट्टल गोविंद, हेमंत जैन, नरेश सालेचा, कमलेश जैन, प्रवीण जैन सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

श्री अक्कन्ना मदन्ना प्रार्थना हॉल में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण बाल लीला और गोवर्धन पूजा

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):

हरिबाउली, हैदराबाद स्थित श्री अक्कन्ना मदन्ना प्रार्थना हॉल में शनिवार को श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन के उपलक्ष्य में विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया।

इस विशेष अवसर पर भगवान श्री कृष्ण की बाल लीला, गोवर्धन पूजा, छप्पन भोग आरती और भव्य अन्न प्रसादम (भंडारे) का आयोजन हुआ।

पांचवें दिन की विशेष पूजा-अर्चना मुख्य यजमान एस.पी. क्रांति कुमार और बीरम देवनाथ के परिवार के सदस्यों द्वारा संपन्न की गई। इस दौरान चित्रकूट धाम से पधारे परम पूज्य राम संजीवन शास्त्री जी ने अत्यंत सुमधुर और भक्तिमय शैली में श्रीमद्भागवत कथा का पाठ किया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। मंदिर के मुख्य पुजारी भगवत प्रसाद ने सभी वैदिक पूजा अनुष्ठान और धार्मिक रीतियों को विधि-विधान से संपन्न कराया।

इस पावन अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष डी.आर. प्रभाकर, प्रतिनिधि ए. सतीश कुमार, जगमोहन कपूर, एम. कृष्णा, ए. गोपाल, जी. राजू, साईकिरण पवार, दीपक और अन्य सदस्यों ने उपस्थित रहकर सभी व्यवस्थाओं की देखरेख की और कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराया। कथा और महाप्रसाद का लाभ उठाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे।

विशेष वार्ड बैठकों में सरकारी योजनाओं एवं नागरिक सुविधाओं के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया

बांसवाड़ा, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी एवं विकास योजनाओं के प्रति नागरिकों में व्यापक जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से तेलंगाना सरकार के निर्देशानुसार बांसवाड़ा नगर पालिका क्षेत्र में विशेष वार्ड बैठकों का आयोजन किया गया। सरकार द्वारा 4, 6, 8 एवं 10 जून को नगर स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसी क्रम में दिनांक 06 जून 2026 को नगर पालिका अध्यक्ष की देखरेख में वार्ड संख्या 03, 04, 08, 09 एवं 18 में विशेष वार्ड बैठकों का आयोजन किया गया। बैठकों में विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं, नागरिक सुविधाओं एवं विकास कार्यों पर चर्चा करते हुए आमजन को जागरूक किया गया। बैठकों में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन, गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण, कचरा प्रबंधन तथा स्वच्छता बनाए रखने के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही जल संचय-जल भागीदारी योजना के अंतर्गत वर्षा जल संचयन संरचनाओं (रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर) के निर्माण एवं जल संरक्षण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

मानसून को देखते हुए नालों की सफाई, गाद निकासी, जलभराव की रोकथाम तथा मानसून पूर्व तैयारियों के लिए तैयार किए गए एक्शन प्लान की भी जानकारी नागरिकों को दी गई। बैठकों में पेयजल आपूर्ति एवं प्रबंधन, सड़कों एवं स्ट्रीट लाइटों के रखरखाव, हरित वातावरण के लिए वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमों तथा नागरिक शिकायतों के त्वरित निवारण पर चर्चा की गई।

इसके अतिरिक्त राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं, महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को सुदृढ़ बनाने की पहल, रोजगार एवं कौशल विकास योजनाओं तथा युवाओं के कल्याण से संबंधित कार्यक्रमों की जानकारी भी दी गई।

बैठकों के दौरान ग्रामीण एवं शहरी आधारभूत संरचना विकास कार्यक्रमों, स्वच्छता एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उपायों, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित सेवाओं एवं योजनाओं की प्रगति से नागरिकों को अवगत कराया गया। साथ ही सेसपूल निर्माण, अपशिष्ट प्रबंधन तथा पर्यावरण संरक्षण संबंधी विषयों पर भी जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने नागरिकों से नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया। बैठकों में उपस्थित नागरिकों ने विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की तथा स्थानीय विकास कार्यों में सहभागिता का भरोसा जताया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ज़मीन पर...

ने छह लोगों को एहतियातन हिरासत में लिया। पुलिस का कहना है कि यह कदम कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया। प्रदर्शन को देखते हुए राजधानी में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। एक हजार से अधिक पुलिसकर्मी तथा लगभग 40 कंपनियां अर्धसैनिक बलों की तैनात की गईं। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, प्रमुख बस अड्डों तथा दिल्ली में प्रवेश मार्गों पर भी विशेष निगरानी रखी गई। जंतर-मंतर क्षेत्र में बहुस्तरीय बैरिकेडिंग की गई थी, जबकि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आवास के बाहर भी अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। सोशल मीडिया गतिविधियों पर भी विशेष निगरानी रखी गई।

इस बीच सोशल मीडिया पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की खबरें वायरल हुईं। हालांकि दिल्ली पुलिस ने आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि ऐसी कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है और लोगों से अपुष्ट खबरें साझा न करने की अपील की।

सीबीएसई मूल्यांकन प्रणाली पर भी उठे सवाल

आंदोलन के दौरान छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगी एवं शैक्षणिक परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया। छात्रों का आरोप है कि नीट, सीबीएसई, सीयूईटी और एसएससी जैसी परीक्षाओं तथा भर्ती प्रक्रियाओं में गंभीर गड़बड़ियां हुई हैं, जिससे लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 12वीं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली लागू की थी। कई छात्रों ने आरोप लगाया कि उनकी उत्तर पुस्तिकाओं के कुछ पृष्ठ स्कैन नहीं हुए, जिसके कारण उन्हें अपेक्षित अंक नहीं मिल सके। छात्रों और अभिभावकों का कहना है कि ऐसी तकनीकी त्रुटियों का असर उच्च शिक्षा में प्रवेश और भविष्य के अवसरों पर पड़ सकता है।

सोशल मीडिया से सड़क तक पहुंचा आंदोलन

अब तक सोशल मीडिया अभियानों तक सीमित यह आंदोलन शनिवार को जमीनी स्तर पर भी प्रभावी रूप से दिखाई दिया। जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में स्कूली विद्यार्थियों, कॉलेज छात्रों, अभिभावकों और नौकरीपेशा युवाओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिली।

आंदोलन के संस्थापक अभिजीत दीपके शनिवार को अमेरिका से भारत लौटे और सीधे दिल्ली पहुंचे। उन्होंने कहा कि उन्हें गिरफ्तारी की आशंका थी, फिर भी वे आंदोलन में शामिल होने के लिए आए। उनके अनुसार, विमान के दिल्ली में उतरने से पहले मुझे लगा जैसे ये आजादी के आखिरी पल हैं, लेकिन मैं इस उद्देश्य के लिए अपनी आजादी कुर्बान करने को तैयार था।

दीपके का आरोप है कि विभिन्न परीक्षाओं और भर्ती प्रक्रियाओं में हुई कथित गड़बड़ियों के कारण कई छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने दावा किया कि इन परिस्थितियों से आहत होकर पांच छात्रों ने आत्महत्या तक कर ली। इसी आधार पर आंदोलनकारी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शन के बाद यह स्पष्ट हो गया कि सोशल मीडिया पर शुरू हुआ यह अभियान अब वास्तविक जनआंदोलन का रूप लेने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और आने वाले दिनों में इसकी गतिविधियों पर देशभर की निगाहें बनी रहेंगी।

कठपुतली नहीं...

उसके संस्थापक अभिजीत दिपके के संदर्भ में देखा जा रहा है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आज का युवा नवाचार, सृजन और राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश में करीब दो लाख स्टार्टअप युवाओं की प्रतिभा, परिश्रम और उद्यमशीलता का परिणाम हैं। भारत वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत का युवा अवसरों का निर्माण कर रहा है और देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पूरा धान...

उन्होंने बताया कि फलों, सब्जियों, दूध और अन्य कृषि उत्पादों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 240 एकड़ में अंतरराष्ट्रीय एकीकृत फल बाजार विकसित किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सुविधा हैदराबाद के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद तेलंगाना को वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान दिलाएगी। फसली विविधीकरण की अपील और बीआरएस पर हमला उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि हरा धनिया तक पड़ोसी राज्यों से मंगाया जा रहा है। उन्होंने किसानों से धान, मक्का, कपास और मिर्च की खेती से आगे बढ़कर फसलों में विविधता लाने का आग्रह किया। उन्होंने कंदुकुर क्षेत्र में टमाटर प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) और सॉस निर्माण इकाई स्थापित करने की योजना की भी घोषणा की। फल बाजार परियोजना में बाधा डालने के कथित प्रयासों पर रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार विपक्ष की परवाह किए बिना इस पर आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित 'भारत फ्यूचर सिटी' को फार्मास्युटिकल उद्योगों से प्रभावित क्षेत्रों के लिए एक प्रदूषण मुक्त विकल्प प्रदान करने के लिए विकसित किया जा रहा है और इसमें 500 वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध कंपनियों को आकर्षित करने का वादा किया। उन्होंने भारत राष्ट्र समिति के नेताओं पर भारत फ्यूचर सिटी, रीजनल रिंग रोड, वारंगल और आदिलाबाद में हवाई अड्डों, पालमुरु-रंगारेड्डी परियोजना और तुम्मीदिहट्टी परियोजना का विरोध करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, हम जो भी विकास पहल करते हैं, वे सड़कों पर आ जाते हैं और विरोध प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर विपक्ष ने ऐसी रणनीति जारी रखी, तो उसे राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बने रहने के लिए भी संघर्ष करना पड़ेगा। उन्होंने अधिकारियों को दिसंबर तक फल बाजार में परिचालन शुरू करने और दो साल के भीतर निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया, तथा आश्वासन दिया कि बिना किसी देरी के ग्रीन चैनल के माध्यम से फंड जारी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने दृढ़ता से कहा कि कांग्रेस सरकार आलोचनाओं और विरोध के बावजूद विकास कार्य जारी रखेगी।

अमेरिका तेल ...

कच्चे तेल के दाम ऊंचे स्तर पर बने हुए हैं। जंग शुरू होने से पहले कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बने हुए थे, लेकिन अब कच्चे तेल के दाम ऊंचे स्तर पर जा चुके हैं। एक समय कच्चे तेल के दाम 120 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए थे। हालांकि, बाद में तेल की कीमतें 100 डॉलर के ऊपर बनी रहीं। अब भी ब्रेंट क्रूड ऑयल प्राइस 95 डॉलर प्रति बैरल के करीब बना हुआ है।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद कई बार करके तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम में इजाफा किया। इसके साथ ही एटीएफ के दाम भी बढ़ाए गए हैं, जिस कारण लॉजिस्टिक का खर्च बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही गैस के दाम में भी इजाफा किया गया है।

त्रिपुरा बॉर्डर...

अब सबसे अहम बात। बॉर्डर के पास के इलाकों में जमीन की खरीद-बिक्री, बड़े निर्माण कार्यों और पैसों के लेनदेन पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। यह इसलिए ज़रूरी है क्योंकि कई बार संदिग्ध लोग बॉर्डर के पास जमीन खरीदकर या बड़े निर्माण करवाकर अपनी गतिविधियां चलाते हैं। पिछले 5 साल के जमीन के सभी रिकॉर्ड खंगाले जाएंगे ताकि पता चल सके कि किसने क्या खरीदा और क्यों। इसके अलावा नकली नोटों यानी फेक करेंसी और किसी भी तरह की संदिग्ध वित्तीय गतिविधि पर भी खास नजर रखी जाएगी। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की सभी एजेंसियां मिलकर काम करेंगी ताकि सीमावर्ती इलाके न सिर्फ सुरक्षित हों बल्कि वहां रहने वाले लोग भी मजबूत महसूस करें।

31.5 इंच...

लेकिन अगर आप उस घूमते हुए लट्टू के किसी एक हिस्से पर छोटा सा पत्थर या थोड़ा सा वजन चिपका दें, तो क्या होगा? लट्टू तुरंत लड़खड़ाने लगेगा और उसका संतुलन थोड़ा बदल जाएगा। हमारी पृथ्वी भी अंतरिक्ष में घूमते हुए एक विशाल लट्टू की तरह ही है। पृथ्वी पर मौजूद हर चीजचाहे वह महासागर हों, ऊंचे पहाड़ हों, ग्लेशियर हों या जमीन के नीचे छुपा अरबों टन पानीसबका अपना एक वजन होता है। जब तक यह वजन अपनी जगह पर बना रहता है, पृथ्वी एक निश्चित गति और कोण पर घूमती रहती है। लेकिन जब हम इंसान एक जगह से भारी मात्रा में वजन हटाकर उसे दूसरी जगह भेज देते हैं, तो पृथ्वी का मास डिस्ट्रीब्यूशन बिगड़ जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पानी में बहुत वजन होता है और इसी वजन के खिसकने से पैदा हुए लीवरेज ने पृथ्वी के घूमने के ध्रुव को अपनी जगह से हटने पर मजबूर कर दिया है।

2,150 गीगाटन पानी का पाताल से महासागरों तक का सफर

वैज्ञानिकों ने कंप्यूटर मॉडल्स और सैटेलाइट डेटा की मदद से यह हिसाब लगाया है कि इंसानों ने 1993 से 2010 के बीच जमीन के भीतर बने प्राकृतिक जलस्रोतों से लगभग 2,150 गीगाटन (यानी 21 लाख 50 हजार करोड़ टन) भूजल पंप करके बाहर निकाल लिया। इतने भारी-भरकम पानी का इस्तेमाल मुख्य रूप से फसलों की सिंचाई करने और शहरों की प्यास बुझाने के लिए किया गया।

अब सवाल उठता है कि जमीन से निकला यह पानी गया कहां? खेतों में छिड़का गया और शहरों में इस्तेमाल हुआ यह पानी अंततः नदियों और नालों के जरिए बहकर दुनिया के विशाल महासागरों में जाकर मिल गया। यानी जो पानी पहले जमीन के बहुत नीचे स्थिर जमा था, वह अब पूरी पृथ्वी पर फैलकर समुद्रों का हिस्सा बन गया। वजन के इस इतने बड़े हेरफेर का सीधा असर पृथ्वी की धुरी पर पड़ा।

शोधकर्ताओं ने जब अपने पोलर-मोशन मॉडल में इस भूजल की आवाजाही के आंकड़ों को जोड़ा, तो यह वास्तविक रूप से देखे जा रहे पृथ्वी के झुकाव से पूरी तरह मैच कर गया। जमीन से निकले इसी पानी के कारण दुनिया भर के समुद्रों का जलस्तर लगभग 6.24 मिलीमीटर (0.24 इंच) बढ़ गया।

भारत और अमेरिका की भूमिका

की-वियोन सेओ ने इस बात को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि पृथ्वी के ध्रुवों में होने वाले बदलावों के जितने भी जलवायु-संबंधी या प्राकृतिक कारण हैं, उनमें से भूजल के इस बड़े पैमाने पर पुनर्वितरण का असर सबसे ज्यादा और प्रभावशाली देखा गया है।

वैज्ञानिकों ने जब यह जानने की कोशिश की कि आखिर पृथ्वी के किस हिस्से से पानी निकालने पर इस घूमने की गति पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है, तो चौंकाने वाले भौगोलिक तथ्य सामने आए। पृथ्वी के बीच वाले हिस्से में यानी इक्वेटर लाइन से पानी को स्थानांतरित करने का असर ध्रुवों की गति पर सबसे गंभीर होता है।

पश्चिमी उत्तरी अमेरिका और उत्तर-पश्चिमी भारत में बड़े पैमाने पर सिंचाई और खेती के लिए किए गए भूजल दोहन को पृथ्वी की धुरी के खिसकने के लिए सबसे मुख्य रूप से जिम्मेदार पाया गया है। भारत के पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे इलाकों में धान और अन्य फसलों के लिए अत्यधिक पंपिंग ने वैश्विक स्तर पर पृथ्वी के संतुलन को हिलाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

क्या कहते हैं साल 2026 के वैज्ञानिक शोध?

विज्ञान हमेशा नए विश्लेषणों और बेहतर तकनीकों के साथ आगे बढ़ता रहता है। इसी सिलसिले में साल 2026 में 'जर्नल ऑफ जियोडेसी' में एक नया मूल्यांकन प्रकाशित किया गया, जिसमें 'वॉटरगैप' नामक बेहद आधुनिक हाइड्रोलॉजिकल मॉडल का इस्तेमाल किया गया था।

इस अध्ययन में पाया गया कि पृथ्वी पर मौजूद स्थलीय जल भंडारण विभिन्न समय-अंतरालों में पृथ्वी की ध्रुवीय गति को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि, इस नए मॉडल ने एक और पहलू सामने रखा कि लंबी अवधि के रुझानों में केवल भूजल ही नहीं, बल्कि बर्फबारी के बदलते पैटर्न के कारण होने वाले स्नो-वॉटर स्टोरेज में बदलाव और ग्रीनलैंड की बर्फ की चादरों का पिघलना सबसे बड़े कारक हैं।

इस मॉडल में भूजल और बांधों में जमा पानी के प्रभाव को थोड़ा छोटा लेकिन फिर भी स्पष्ट रूप से पहचाने जाने योग्य माना गया है। साल 2026 में ही वैज्ञानिकों ने 'ट्रस्टोर' और 'एमएल-टीवाईएक्स' जैसी दो नई प्रणालियों को पेश किया है, जो पिछले चार दशकों (1980 से 2012) के वाटर स्टोरेज के ऐतिहासिक डेटा का पुनर्निर्माण करती हैं ताकि सैटेलाइट युग से पहले के दौर के अनसुलझे रहस्यों को भी पूरी सटीकता से समझा जा सके।

पृथ्वी के अक्ष का यह डगमगाना भले ही अंतरिक्ष विज्ञान का विषय लगे, लेकिन जमीन से पानी गायब होने के जो नतीजे हम इंसानों को भुगतने पड़ रहे हैं, वे बेहद डरावने हैं। अत्यधिक ग्राउंडवाटर निकालने के कारण दुनिया के कई हिस्सों में जमीन अंदर की ओर धंसने लगी है, जिससे शहरों की इमारतें और बुनियादी ढांचे खतरे में पड़ गए हैं।

साल 2026 में नेचर जर्नल में दुनिया के 40 प्रमुख नदी डेल्टाओं पर की गई स्टडी में पाया गया कि इन उपजाऊ क्षेत्रों में जमीन का धंसना अब समुद्र के जलस्तर में होने वाली वास्तविक बढ़ोतरी से भी बड़ा खतरा बन चुका है। स्टडी किए गए 40 में से 10 बड़े डेल्टाओं में जमीन के धंसने के पीछे सीधे तौर पर भूजल की कमी को जिम्मेदार पाया गया।

इसके अतिरिक्त, तटीय इलाकों के कुओं और एक्विफर्स में पानी का स्तर घटने से समुद्र का खारा पानी तेजी से मीठे पानी के स्रोतों में घुस रहा है, जिससे भविष्य में पीने के पानी और खेती का संकट कई गुना बढ़ने वाला है।

क्या कोई उम्मीद बाकी है? जल संरक्षण और रिकवरी के सफल रास्ते

इन तमाम डरावनी खबरों के बीच विज्ञान और इंसानी सूझबूझ ने उम्मीद की एक नई किरण भी दिखाई है। साल 2026 में ही 'साइंस' जर्नल में एक व्यापक समीक्षा रिपोर्ट प्रकाशित हुई, जिसमें दुनिया भर के ऐसे 67 मामलों का गहराई से अध्ययन किया गया जहां इंसानी हस्तक्षेप और सही नीतियों के कारण दम तोड़ चुके भूजल स्तर में शानदार सुधार और रिकवरी देखी गई।

इस रिपोर्ट से यह साबित हुआ कि अगर सही समय पर ठोस कदम उठाए जाएं, तो जमीन के नीचे के जलस्रोतों को दोबारा जीवित किया जा सकता है। इन सफलताओं के पीछे मुख्य रूप से तीन बड़े कारण थे:

वैकल्पिक जल आपूर्ति: शहरों और खेतों के लिए जमीन के पानी पर निर्भरता कम करके नदियों या रीसाइकल किए गए पानी का उपयोग बढ़ाना।

आर्टिफिशियल रीचार्ज: बारिश के पानी को आधुनिक तकनीकों के जरिए जबरन जमीन के नीचे उतारना और वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य बनाना।

सख्त नीतियां और कानून: पानी की बर्बादी रोकने के लिए कड़े नियम लागू करना और पानी के व्यावसायिक दोहन पर शुल्क या पाबंदियां लगाना।

वैज्ञानिकों ने यह चेतावनी भी दी है कि ये समाधान 'प्लग-एंड-प्ले' जैसे नहीं हैं, यानी जो तरीका किसी एक समृद्ध देश या शहर में काम कर गया, जरूरी नहीं कि वह हर सूखे और गरीब क्षेत्र के लिए भी उतना ही आसान हो। हमें हर इलाके की भौगोलिक स्थिति के हिसाब से स्थानीय समाधान ढूंढने होंगे, ताकि हम न सिर्फ अपने भविष्य के पानी को सुरक्षित कर सकें, बल्कि अपनी इस खूबसूरत पृथ्वी के लड़खड़ाते कदमों को भी थाम सकें।

समाधान ...

इसके बाद अमेरिका ने ईरान के गोरुक और किश्म द्वीप क्षेत्रों में स्थित रडार एवं निगरानी केंद्रों पर कार्रवाई करने का दावा किया। दूसरी ओर, ईरान द्वारा कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने की खबरें सामने आईं। कुवैत ने कहा कि उसके वायु रक्षा तंत्र ने मिसाइलों और ड्रोन को बीच में ही निष्क्रिय कर दिया, जबकि बहरीन में सुरक्षा अलर्ट जारी कर नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई।अमेरिकी पक्ष का दावा है कि ईरान द्वारा दागी गई छह मिसाइलों को रोक लिया गया, जबकि एक मिसाइल तकनीकी कारणों से लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।कुवैत और बहरीन दोनों ने कथित हमलों की निंदा की है। कुवैत के विदेश मंत्रालय ने इसे क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बताते हुए कहा कि ऐसे कदम शांति स्थापित करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को कमजोर करते हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 07 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

नंद बाबा सबको आनंद देने वाले थे, इसलिए उनके घर भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य हुआ : पं. मनोज त्रिवेदी श्रीमाली

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गिरिराज मंदिर, कोठी के निकट विशा मोड़ गौ भुजा समाज वाड़ी में परम पावन पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में कथाव्यास पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य एवं नंदोत्सव प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को जीवनोपयोगी संदेश दिए।

कथा का रसपान कर रहे श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'यशोदा' शब्द का अर्थ है जो दूसरों को यश प्रदान करे तथा 'नंद' का अर्थ है जो दूसरों को आनंद दे। ऐसे परम सौभाग्यशाली माता यशोदा और नंद बाबा के घर बालकृष्ण लालजी का प्राकट्य हुआ, जिसके उपलक्ष्य में संपूर्ण ब्रज में नंदोत्सव मनाया गया।

कथाव्यास ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद पूरा गोकुल आनंद और उत्साह से भर उठा था। गांव के लोग नंद बाबा और माता यशोदा को बधाई देने पहुंचे तथा उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने कहा कि नंद बाबा सभी के प्रिय थे और सदैव चाहते थे कि पूरा गांव सुखी, समृद्ध और आनंदमय रहे।

उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति को समाज और परिवार का आशीर्वाद प्राप्त होता है, उसी के घर भगवान की विशेष कृपा होती है। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर पूरे ब्रज में दीपोत्सव से भी अधिक उल्लास का वातावरण था। मांगलिक गीत गाए जा रहे थे, ब्राह्मण स्वस्तिवाचन कर रहे थे, घर-घर मिठाइयां बांटी जा रही थीं तथा गायों को सजाकर उत्सव मनाया जा रहा था।

पं. मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में स्वयं यश लेने के बजाय अपने परिवार, समाज और परमात्मा को यश देने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य अकेले कुछ भी नहीं कर सकता, उसके पीछे परिवार, समाज और ईश्वर का आशीर्वाद एवं सहयोग होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि जीवन में ऐसे कार्य करें, जिनसे दूसरों को आनंद और प्रेरणा मिले। मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ है, इसलिए इसे देश, धर्म, समाज, वंश, कुटुंब और परिवार की सेवा में लगाना चाहिए, ताकि लोग जीवनभर उसे सम्मान और श्रद्धा के साथ याद रखें।

कथाव्यास ने कहा कि सेवा केवल धन से ही नहीं होती, बल्कि तन, मन और वचन से भी की जा सकती है। व्यक्ति को अपनी आय और संसाधनों का एक हिस्सा समाज, परिवार और जरूरतमंदों की सेवा के लिए अवश्य समर्पित करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारी पहचान हमारे वंश, कुटुंब, परिवार, समाज और इष्ट-मित्रों से होती है। इसलिए बिना किसी दिखावे के सदैव सहयोग और सेवा भाव बनाए रखना चाहिए। यदि हम सबके हित की सोचेंगे और समाज को एकजुट रखने का प्रयास करेंगे तो भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से हमारा जीवन सफल, सार्थक और धन्य बन जाएगा।

कथा के अंत में उन्होंने श्रद्धालुओं से मनसा, वाचा, कर्मणा अथवा धन के माध्यम से किसी भी समाजजन को कष्ट न पहुंचाने तथा प्रभु सेवा, समाज सेवा, परिवार सेवा और राष्ट्र सेवा को जीवन में सर्वोच्च स्थान देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इसी मार्ग में मानव जीवन का कल्याण निहित है और इसी से ईश्वर की कृपा सदैव बनी रहती है।

अग्रवाल केयर फाउंडेशन ने गौशाला में किया विशेष गोसेवा कार्यक्रम

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल केयर फाउंडेशन द्वारा 5 जून को दुर्गा माता मंदिर स्थित गौशाला में एक विशेष गोसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के सदस्यों ने गौमाता की सेवा करते हुए उन्हें ताजी सब्जियां, रोटियां एवं फल खिलाए तथा गोसंरक्षण एवं जीव दया का संदेश दिया।

संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य जीवों के प्रति करुणा, सेवा एवं संरक्षण की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण परंपरा है और समाज को इसके संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान गायों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया गया तथा उनकी देखभाल और संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। उपस्थित सदस्यों ने गौशाला की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए भविष्य में भी नियमित रूप से सेवा कार्यों में भाग लेने का संकल्प लिया।

इस पुण्य कार्य में फाउंडेशन के अनेक सदस्य एवं समाजसेवी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ओम प्रकाश अग्रवाल (ओम एंड कंपनी), ज्योति शर्मा, राजेश शर्मा, कुसुम गुप्ता, रीना अग्रवाल, नंदा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, संजय भलावले, अंकुर बंसल, श्याम अग्रवाल, वेंकट अग्रवाल, गोविंदराज अग्रवाल, श्याम बजाज, रितेश अग्रवाल, आलोक शर्मा, संजय पसारी, पेंटाय्या गारू, सत्यनारायण फोगला, अशोक जालान, नमन जैन, सुनीता अग्रवाल, प्रीति जैन, ज्योति शर्मा, संतोषी अग्रवाल, कौशल्या तायल, शिल्पा गुप्ता, शांता बाई, लक्ष्मी देवी, प्रभु, कीर्ति,, सीमा अग्रवाल, संतोष शर्मा, संगीता टिबरेवाल, सुनील सांघी, हर्षल पित्ती, लोकेश पित्ती एवं गोविंद राज अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर फाउंडेशन के सदस्यों ने समाजहित एवं जीव दया से जुड़े ऐसे सेवा कार्यों को भविष्य में भी निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गौसेवा के माध्यम से समाज में करुणा, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जाता रहेगा।

श्री जिनदत्तसूरी जैन सेवा मंडल द्वारा लोअर टैंकबंड स्थित गौशाला में सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने गौसेवा करते हुए जीवदया, करुणा और सेवा भाव का संदेश दिया। कार्यक्रम में मंडल के अध्यक्ष विनोद हुंडिया तथा सचिव राजेश तातेड के नेतृत्व में सदस्यों ने गौशाला में सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर अवधेश, प्रीतम छाजेड़, मनीष बाफना, दीक्षित भंसाली, राजु कंकु चौपड़ा, भावेश हुंडिया, अमित छाजेड़, तरुण जैन, मयूर रांका, भव्य जैन तथा परम कुमार सहित अनेक सदस्यों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

दमा रोगियों की सेवा हेतु पित्ती ट्रस्ट0अग्रवाल सेवा दल का चार दिवसीय विशाल शिविर प्रारंभ

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नुमाइश मैदान में बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा दमा रोग के निवारण हेतु निःशुल्क वितरित किए जाने वाले मछली प्रसाद को ग्रहण करने के लिए देश के विभिन्न राज्यों से हैदराबाद पहुंचने वाले दमा रोगियों एवं उनके परिजनों की सुविधा के लिए बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा स्थापित विशाल चार दिवसीय सेवा शिविर का शुभारंभ शुक्रवार को संपन्न हुआ।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रत्येक वर्ष मछली प्रसाद वितरण के अवसर पर पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल की ओर से सेवा शिविर आयोजित किया जाता है।

इस वर्ष भी बत्तिनी गौड़ परिवार के सदस्यों एवं ट्रस्ट के चेयरमैन शरद बी. पित्ती के साथ हुई बैठक में विचार-विमर्श के बाद पूर्व वर्षों की भांति चार दिवसीय विशाल सेवा शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया।शरद बी. पित्ती के नेतृत्व में आयोजित यह सेवा शिविर 6 जून से प्रारंभ होकर 9 जून तक संचालित किया जाएगा।

शिविर में दमा रोगियों एवं उनके परिजनों के लिए आपातकालीन चिकित्सा सुविधा, ऑक्सीजन सिलेंडर, आवश्यक दवाइयां, व्हीलचेयर तथा आवश्यकता पड़ने पर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। आयोजकों के अनुसार इस वर्ष दो लाख से अधिक लोगों के मछली प्रसाद ग्रहण करने की संभावना है।

बताया गया कि देश के विभिन्न दूरस्थ क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु एवं रोगी प्रसाद वितरण से दो-तीन दिन पूर्व ही हैदराबाद पहुंच जाते हैं। ऐसे में उनकी सुविधा एवं सेवा को ध्यान में रखते हुए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

दमा रोगियों तथा उनके परिवारजनों के लिए 6 जून से 9 जून तक निरंतर निःशुल्क भोजन एवं अल्पाहार वितरण किया जाएगा। शिविर में उपमा, पोहा, इडली, बड़ा, छाछ, पूरी-सब्जी, सांभर-चावल, बिस्कुट, चाय तथा शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

इसके अतिरिक्त मछली प्रसाद के सेवन की प्रक्रिया, आवश्यक परहेज तथा अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों से संबंधित कर-पत्रों (पैम्फलेट) का वितरण भी किया जाएगा। परहेज के दौरान उपयोग में लाई जाने वाली खाद्य सामग्री की प्रदर्शनी भी शिविर परिसर में लगाई जाएगी, जिससे रोगियों एवं उनके परिजनों को आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त हो सके।

इस सेवा शिविर में शरद बी. पित्ती, अजित गुप्ता, कैलाश केडिया, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, दीपक गुप्ता, निखिल रानासरिया, उर्मिला अग्रवाल, पित्ती इंजीनियरिंग के कर्मचारी, गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव तथा घनश्याम यादव सहित अनेक कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल ने देशभर से आने वाले सभी दमा रोगियों और उनके परिवारजनों से इस निःशुल्क सेवा शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया है।

राधे-राधे ग्रुप की निस्वार्थ सेवा से समाज में जाग रही मानवता की अलख : वीणा मालपानी

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अनुदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद, निराश्रित एवं असहाय लोगों को आवश्यक सामग्री वितरित कर सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने समाज में सेवा भाव को बढ़ावा देने तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प भी दोहराया। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए वीणा मालपानी ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा जिस समर्पण, अनुशासन और निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य किए जा रहे हैं, वह वास्तव में प्रेरणादायक है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल ने सभी सहयोगियों एवं सेवाभावियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रुप पिछले दो वर्षों से वर्ष के 365 दिन लगातार सेवा कार्यों के माध्यम से मानवता की सेवा कर रहा है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरसुवाले, विनोद तोषनीवाल, दीपचंद अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, रेणु शर्मा, सुनीता अग्रवाल, वीणा मालपानी एवं प्रवीण विजयवर्गीय सहित अनेक सदस्यों ने उपस्थित रहकर सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

शिक्षकों को समयानुकूल बनना होगा, तभी विद्यार्थियों पर पड़ेगा सकारात्मक प्रभाव : प्रो. रमणा मूर्ति

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा 6 जून 2026 को समिति की सभी शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. के.वी. रमणा मूर्ति मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने क्लासरूम डायनॉमिक्स एंड इफेक्टिव टीचिंग मेथाडोलॉजीज विषय पर सारगर्भित एवं प्रेरणादायी प्रस्तुति दी। अपने संबोधन में प्रो. रमणा मूर्ति ने कहा कि प्राचीन शिक्षा पद्धति और आधुनिक शिक्षा प्रणाली में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। वर्तमान समय की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को निरंतर अद्यतन करना शिक्षकों के लिए अनिवार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों को अपनाने, स्वयं को प्रेरित करने तथा सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र और संस्कारों के निर्माता भी होते हैं। इसलिए शिक्षकों को अपनी शिक्षण पद्धति में नवाचार लाते हुए विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान एवं नैतिक मूल्यों से भी जोड़ना चाहिए।

प्रो. रमणा मूर्ति ने कहा कि आधुनिक युग में विद्यार्थियों के पास ज्ञान प्राप्त करने के अनेक माध्यम उपलब्ध हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को कक्षा में रुचिपूर्वक बैठाकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना शिक्षकों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को अपने ज्ञान का निरंतर विस्तार करना चाहिए, ताकि वे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर उन्हें स्वावलंबी बना सकें। शिक्षक और शिक्षार्थी का संबंध ऐसा होता है, जहां दोनों एक-दूसरे से निरंतर सीखते रहते हैं। यदि शिक्षक प्रभावशाली ढंग से शिक्षण कार्य करेंगे, तो विद्यार्थी स्वयं कक्षा में बैठकर शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित होंगे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए समिति की अकादमिक निदेशिका डॉ. सरोज जैन ने कहा कि बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को अद्यतन करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का दायित्व केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना भी है।

उन्होंने भारतीय संस्कृति में गुरु की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज में शिक्षकों के सम्मान और गरिमा को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

अपने संदेश में समिति के मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने कहा कि समिति द्वारा आयोजित ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षण संस्थाओं, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि समिति के पास अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों की टीम है, फिर भी समय के अनुरूप अपनी प्रतिभा और कौशल को निरंतर विकसित करना आवश्यक है। शिक्षक यदि विद्यार्थियों के लिए आदर्श बनते हैं, तो संस्था की प्रतिष्ठा और प्रगति स्वतः बढ़ती है। किसी भी शिक्षण संस्था का सबसे प्रभावी प्रचार विद्यार्थियों और अभिभावकों द्वारा की गई सकारात्मक प्रशंसा से होता है।प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रो. रमणा मूर्ति ने विभिन्न शिक्षण तकनीकों, नवाचारों एवं व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रभावी शिक्षण के अनेक आयामों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में समिति की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्य, निदेशक, प्राध्यापक एवं शिक्षकगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन एन.बी. साइंस कॉलेज की उप-प्राचार्य श्रीमती कविता ने किया। मुख्य वक्ता का परिचय डी.बी. गर्ल्स जूनियर कॉलेज की प्राचार्य श्रीमती अमतुल हबीब ने प्रस्तुत किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन राधाकृष्णा विमेंस कॉलेज की कॉमर्स लेक्चरर श्रीमती कामाक्षी ने किया। कार्यक्रम के अंत में अग्रवाल शिक्षा समिति की ओर से मुख्य वक्ता प्रो. के.वी. रमणा मूर्ति को स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

मिधानि में कार्यपालक स्तर के कार्मिकों हेतु हिंदी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार के राजभाषा नीति-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा हिंदी में कार्य निष्पादन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रक्षा मंत्रालय के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में कार्यपालक स्तर के कार्मिकों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में हिंदी के संवैधानिक, प्रशासनिक एवं व्यावहारिक पक्षों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा हिंदी में कार्य करने के लिए उपलब्ध आधुनिक तकनीकी साधनों की जानकारी भी प्रदान की गई।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में हिंदी अनुभाग के डॉ. विकास कुमार आज़ाद, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक ने हिंदी के राजभाषा स्वरूप से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम एवं नियमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिंदी में कार्य करना प्रत्येक कर्मचारी का संवैधानिक दायित्व है तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग से प्रशासनिक दक्षता एवं संप्रेषण क्षमता दोनों में वृद्धि होती है। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न पारिभाषिक शब्दों का अभ्यास भी कराया।

द्वितीय सत्र में अतिथि वक्ता के रूप में एनएमडीसी के उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री रुद्रनाथ मिश्र ने भारतीय भाषाओं की समृद्ध परंपरा, भाषा और राष्ट्र निर्माण के संबंध तथा स्वतंत्र भारत में हिंदी की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची, राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा की अवधारणाओं के बीच अंतर तथा राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित 'क', 'ख' एवं 'ग' क्षेत्रों के राजभाषा लक्ष्यों की जानकारी दी। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरण 'भारती – बहुभाषा सारथी' की भूमिका और उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय, भारत सरकार) एवं सी-डैक द्वारा विकसित यह उन्नत एआई-संचालित बहुभाषी अनुवाद प्रणाली हिंदी के प्रभावी प्रयोग को बढ़ावा देने में सहायक है। इस अवसर पर उन्होंने प्रणाली की विशेषताओं, कार्यप्रणाली तथा व्यावहारिक उपयोग का सजीव प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया। साथ ही, भारत सरकार की हिंदी प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में भी प्रतिभागियों को अवगत कराया।

तृतीय सत्र में दक्षिण मध्य रेलवे की वरिष्ठ हिंदी अनुवादक डॉ. रानी गीतेश काटे ने प्रभावी संप्रेषण में भाषा की भूमिका, हिंदी के मानकीकरण की आवश्यकता तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के योगदान पर विस्तृत विचार व्यक्त किए।

उन्होंने बताया कि प्रशासनिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में हिंदी के सशक्त प्रयोग हेतु मानकीकृत शब्दावली का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है।

कार्यशाला के सभी सत्र संवादात्मक एवं सहभागितापूर्ण रहे। प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया तथा हिंदी में कार्य करने के व्यावहारिक पहलुओं पर उपयोगी जानकारी हासिल की। कार्यशाला के सफल आयोजन में डाक अनुभाग के श्री जयपाल एवं श्री नरेंद्र गांधी की सक्रिय भूमिका रही।

निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परामर्श शिविर में 60 मरीजों ने लिया लाभ

अग्रवाल समाज तेलंगाना कार्यालय में आयोजित हुआ स्वास्थ्य शिविर

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना कार्यालय, चिराग अली लेन में देवस्थान आयुर्वेद, राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद एवं सेठ हरचंदराय कौशल्या देवी अग्रवाल नांगल दुर्गु परिवार के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। शिविर में लगभग 60 मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविर में देवस्थान आयुर्वेद के प्रतिष्ठित नाड़ी वैद्य डॉ. मिथुन शर्मा एवं डॉ. पीयूष मणि (बीएएमएस) ने मरीजों की विस्तृत जांच कर आयुर्वेद आधारित उपचार एवं जीवनशैली संबंधी सुझाव दिए। चिकित्सकों ने बताया कि संतुलित दिनचर्या, उचित आहार एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से अनेक बीमारियों से बचाव संभव है।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना की सचिव डॉ. सीमा जैन ने कहा कि स्वस्थ समाज ही समृद्ध समाज का आधार होता है। जब सामाजिक संस्थाएं एवं सेवा संगठन मिलकर जनहित के कार्य करते हैं, तब समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना संभव हो पाता है। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे शिविर सामाजिक एकता एवं सेवा भावना को सुदृढ़ करते हैं।

मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म : राम प्रकाश अग्रवाल

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एवं मेडिकल कैंप चेयरमैन राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म सेवा है। यदि हम अपने समय, संसाधनों एवं सामर्थ्य का एक हिस्सा समाज के कल्याण के लिए समर्पित करें तो अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सबसे बड़ी संपत्ति है और प्रत्येक व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की एक सशक्त विचारधारा है। ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से अन्नदान, गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण, चिकित्सा सहायता, जरूरतमंदों की मदद तथा सामाजिक जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रम संचालित करते हैं। उनका उद्देश्य समाज में प्रेम, भाईचारा और मानवता के मूल्यों को मजबूत करना है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि किसी जरूरतमंद के चेहरे पर सहायता मिलने के बाद आने वाली मुस्कान ही सेवा कार्य का सबसे बड़ा पुरस्कार है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी ऐसे चिकित्सा शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता अभियान एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में नवल किशोर बंसल, अनीता नाथानी, सूची गुप्ता, सुमन अग्रवाल, रेखा अग्रवाल एवं ईशिका अग्रवाल सहित सभी सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी ने सेवा एवं समर्पण की भावना के साथ शिविर को सफल बनाने में योगदान दिया। अंत में सभी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं समाज के सर्वांगीण विकास की कामना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। पूरे आयोजन में सेवा, संस्कार, सहयोग एवं मानवता की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

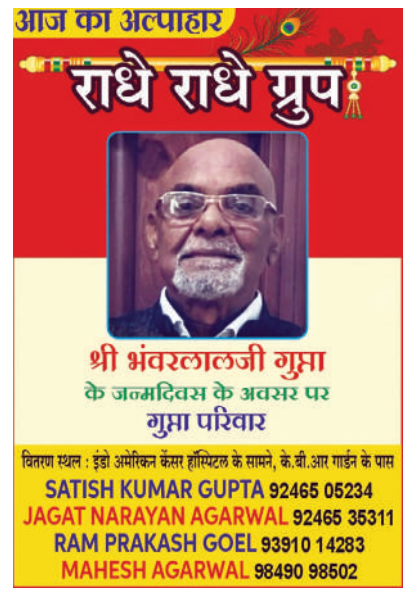

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.